हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 327 | बेमेतरा, सोमवार 14 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

संक्षिप्त समाचार

काउंसलिंग के बहाने बुलाकर बॉयज हॉस्टल में छात्रा से रेप

कोलकाता। देश के प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान, भारतीय प्रबंधन संस्थान-कलकत्ता के कैंपस के भीतर एक छात्रा के साथ उसके सहपाठी द्वारा बलात्कार का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जब आरोपी ने पीड़िता को मदद के बहाने कैंपस में बुलाया था। पीड़िता की शिकायत के बाद हरकत में आई पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी छात्र को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना ने एक बार फिर राज्य के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में छात्राओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस के अनुसार, पीड़िता और आरोपी, परमानंद टोप्पाउनवार, दोनों ही संस्थान के द्वितीय वर्ष के छात्र हैं। बेंगलुरु का रहने वाला आरोपी पीड़िता से पहले ऑनलाइन मिला था। परमानंद ने एक काउंसलिंग सेशन में मदद करने के बहाने पीड़िता को कैंपस में बुलाया। जब छात्रा वहां पहुंची, तो उसे विजिटर रजिस्टर में नाम दर्ज करने से भी मना कर दिया गया।

दो बेटियों संग जंगल की गुफा में मिली रूसी महिला

कारवार। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल गोकर्ण में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। आध्यात्मिक शांति की तलाश में भारत आई एक रूसी महिला अपनी दो मासूम बेटियों के साथ पिछले दो हफ्तों से जंगल के बीच एक गुफा में रह रही थी। हाल ही में हुए भूस्खलन के बाद गश्त कर रही पुलिस को जब इसका पता चला, तो एक और चौंकाने वाली बात सामने आई कि महिला का वीजा 8 साल पहले ही खत्म हो चुका था। पुलिस के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब एक भूस्खलन के बाद सर्कल पुलिस इंस्पेक्टर श्रीधर की टीम रामतीर्थ की पहाड़ियों में गश्त कर रही थी। इसी दौरान उन्हें एक सुनसान जगह पर कपड़े सूखते हुए दिखे।

पंजाब के गांव से बाहर निकाले जाएंगे प्रवासी, डेडलाइन की गई जारी

फतेहगढ़ । पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले के खमाणों ब्लॉक स्थित गांव लखनपुर में रह रहे प्रवासी परिवारों को एक हफ्ते के अंदर गांव खाली करने को कहा गया है। यह फैसला गांव की पंचायत की तरफ से लिया गया है। पंचायत ने आरोप लगाया कि ये प्रवासी युवक रजवाहे के किनारे डेरा जमाए हुए हैं, गांव की गलियों में बिना वजह घूमते हैं। सार्वजनिक स्थलों पर बीड़ी-सिगरेट पीते हैं और महिलाओं व बच्चों को परेशान करते हैं। पंचायत ने यह भी दावा किया है कि कुछ लोग नशीली भांग की खेती और सेवन में शामिल हैं, जिससे गांव का माहौल बिगड़ रहा है और अपराध व असुरक्षा बढ़ रही है। गांव वासियों का कहना है कि ये प्रवासी परिवार पहले तो धान लगाई और गेहूं की कटाई के मौसम में मजदूरी करने आए थे, लेकिन अब स्थायी रूप से गांव में रहने लगे हैं। यदि उनके पास आधार कार्ड या पहचान पत्र होते तो स्थिति अलग होती।

खास शख्सियतें अब राज्यसभा में

राष्ट्रपति ने उज्ज्वल निकम समेत चार दिग्गजों को किया नामित

नई दिल्ली/ एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्यसभा के लिए चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों को नामित किया है। इन नामित सदस्यों में प्रख्यात वकील उज्ज्वल निकम, अनुभवी राजनयिक हर्षवर्धन श्रृंगला, जानी-मानी इतिहासकार डॉ. मीनाक्षी जैन और केरल के शिक्षक एवं सामाजिक कार्यकर्ता सी. सदानंदन मास्टर शामिल हैं। एक आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, यह नामांकन पूर्व नामित सदस्यों के सेवानिवृत्त होने से खाली हुई सीटों को भरने के लिए किया गया है। राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 80(1)(ए) में मिली अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए इन नामों को मंजूरी दी है। यह अनुच्छेद राष्ट्रपति को साहित्य, विज्ञान, कला और समाज सेवा जैसे क्षेत्रों में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव रखने वाले व्यक्तियों को राज्यसभा में नामित करने का अधिकार देता है। उज्ज्वल निकम भारत के सबसे प्रमुख लोक अभियोजकों में से एक हैं। वे 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों सहित कई हाई-प्रोफाइल आपराधिक मामलों में विशेष लोक अभियोजक के रूप में अपनी भूमिका के लिए प्रसिद्ध हैं। 2024 के आम चुनावों में, भाजपा ने उन्हें मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया था, हालांकि उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार वर्षा गायकवाड़ से हार का सामना करना पड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निकम को बधाई देते हुए कहा, 'श्री उज्ज्वल निकम का कानूनी क्षेत्र और हमारे संविधान के प्रति समर्पण अनुकरणीय है। उन्होंने हमेशा संवैधानिक मूल्यों को मज़बूत करने और आम नागरिकों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए काम किया है। यह खुशी की बात है कि भारत के राष्ट्रपति ने उन्हें राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने संयुक्त राज्य अमेरिका, बांग्लादेश और थाईलैंड में राजदूत सहित कई महत्वपूर्ण राजनयिक पदों पर कार्य किया है। उन्होंने 2023 में भारत की प्रतिशत 20 अध्यक्षता के लिए मुख्य समन्वयक के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने श्रृंगला को बधाई देते हुए कहा, 'श्री हर्षवर्धन श्रृंगला जी ने एक राजनयिक, बुद्धिजीवी और रणनीतिक विचारक के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने भारत की विदेश नीति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुझे खुशी है कि उन्हें राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा के लिए नामित किया गया है। उनके अद्वितीय दृष्टिकोण संसदीय कार्यवाही को और समृद्ध करेंगे।' केरल के सी. सदानंदन मास्टर एक वरिष्ठ शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता हैं, जिनका लंबे समय से भाजपा से जुड़ाव रहा है। उन्होंने 2021 का केरल विधानसभा चुनाव लड़ा था। वे 1994 में एक क्रूर राजनीतिक हिंसा में बच निकलने के लिए भी जाने जाते हैं, जब उन पर हमला किया गया था और उनके दोनों पैर काट दिए गए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर सदानंदन मास्टर को बधाई दी, 'श्री सी. सदानंदन मास्टर का जीवन साहस और अन्याय के आगे न झुकने की भावना का प्रतीक है।

कानून जगत के उस्ताद की राज्यसभा में नई पारी

26/11 आतंकी हमले के आरोपी कसाब को फांसी की सजा दिलाने वाले दिग्गज वकील उज्ज्वल निकम को राष्ट्रपति मुर्मू ने राज्यभा के लिए मनोनीत किया है। उन्हें यह सम्मान कानूनी जगत में उनके बेहतरीन योगदान के लिए दिया गया है। इससे पहले भाजपा ने 2024 के लोगसभा चुनाव में उन्हें पूनम महाजन का टिकट काटकर मुंबई नॉर्थ सेंट्रल सीट से अपना उम्मीदवार बनाया था। हालांकि तब उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। अब राष्ट्रपति मुर्मू ने कानूनी क्षेत्र में उनके योगदान को इस खास तरह से सराहा है। उज्जवल निकम का जन्म मार्च 1953 में महाराष्ट्र के जलगांव में हुआ था। उनके पिता देवरावजी निकम भी कानूनी पेशे से जुड़े थे। उन्होंने बतौर बैरिस्टर और जज काम किया।

नीतीश पर चिराग ने फिर उठाए सवाल

बिहारी अब और कितनी हत्याओं की भेंट चढ़ेंगे?

नई दिल्ली। बिहार में हत्याओं और व्यापारियों पर हमलों की बढ़ती घटनाओं के बीच, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने नीतीश कुमार सरकार पर सवाल उठाए हैं, जिससे सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन में बेचैनी बढ़ गई है। सोशल मीडिया पर एक तीखी पोस्ट में चिराग पासवान ने लिखा कि बिहारियों को अब और कितनी हत्याओं का सामना करना पड़ेगा? बिहार पुलिस की ज़िम्मेदारी क्या है, यह समझ से परे है। चिराग की यह टिप्पणी पटना में आपराधिक घटनाओं की बाढ़ के बीच आई है, जिसमें हाल ही में प्रमुख व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या, उसके बाद किराना व्यापारी विक्रम झा की हत्या और बालू व्यापारी रमाकांत यादव की हत्या शामिल है, जिससे व्यापारिक समुदाय में भय का माहौल है। तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेताओं सहित विपक्षी नेता बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर नीतीश सरकार पर लगातार हमला कर रहे हैं।

भगवान शिव के भक्त कांवड़िये, पवित्र श्रावण माह में कांवड़ यात्रा के दौरान उत्तराखंड के हरिद्वार में हर की पौड़ी से पवित्र जल लेकर लौटते हुए।

लाडली बहना योजना के तहत

रक्षा बंधन पर 250 रुपये का उपहार मिलेगा-यादव

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य में लाडली बहना योजना की लाभार्थी करीब 1.27 करोड़ महिलाओं को राखी उपहार के रूप में 250 रुपये मिलेंगे और अक्टूबर से उनकी मासिक सहायता राशि बढ़ाकर 1,500 रुपये कर दी जाएगी। फ्लिहाल इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को 1250 रुपये प्रतिमाह मिलते हैं। यादव ने घोषणा की, ''रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के बीच अटूट प्रेम का प्रतीक है...नौ अगस्त को राखी है और भाइयों के लिए अपनी बहनों को उपहार देना

उचित ही है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि स्नेह के प्रतीक के रूप में हर लाडली बहना (नौ अगस्त से पहले) तक 250 रुपये पहुंच जाएं। वह उज्जैन जिले के नलवा गांव में आयोजित एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बोल रहे थे।

देश में यूनुस राज में सुरक्षित नहीं हिंदू

व्यापारी को पीट-पीटकर मार डाला; शव पर डांस भी किया

ढाका/ एजेंसी

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस सरकार बनने के बाद से ही हिंदुओं को प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। राजधानी ढाका में हिंदू व्यापारी की हत्या कर दी गई, जिससे एक बार फिर से पड़ोसी देश में हिंदुओं की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। लाल चंद सोहाग कबाड़ व्यापारी थे और उनकी पीट-पीटकर हत्या किए जाने के बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया। सैकड़ों छात्र शनिवार को सड़कों पर उतर आए और अंतरिम सरकार पर भीड़ हिंसा को रोकने में विफ्ल रहने का आरोप लगाया। पुलिस ने कबाड़ व्यापारी

लाल चंद सोहाग की पीट-पीटकर हत्या के सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से दो के पास अवैध रूप से हथियार थे। ढाका के कई विश्वविद्यालय परिसरों में छात्रों ने बुधवार को हुई इस घटना के विरोध में रैलियां निकालीं। जबरन वसूली करने वालों ने पुराने ढाका इलाके में मिटफोर्ड अस्पताल के सामने कबाड़ व्यापारी सोहाग की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। बीते दिनों वायरल हुए इस घटना के एक वीडियो में सोहाग को कंक्रीट के स्लैब के टुकड़ों से पीट-पीटकर मार डाला गया और फ्रि उसकी मौत की पुष्टि होने के बाद, हमलावर उसके शव पर नाचते हुए दिखाई दिए।ग प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, तुम दरिंदों को लोगों को मारने का अधिकार किसने दिया? जब जबरन वसूली करने वाले उत्पात मचा रहे हैं, तो अंतरिम सरकार क्या कर रही है ये नारे छात्रों ने अपने परिसरों में लगाए।

पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, ईमेल के बाद मचा हड़कंप

पटना। बिहार की राजधानी पटना स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय जेपीएनआई हवाई अड्डे पर देर रात एक ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। आनन-फानन में हवाई अड्डे की सुरक्षा बढ़ा दी गई और सघन जांच अभियान चलाया गया। हालांकि, बाद में यह धमकी एक अफवाह साबित हुई। पुलिस अब ईमेल भेजने वाले की तलाश में जुट गई है। हवाई अड्डा अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि रात करीब 9 बजे एयरपोर्ट निदेशक की आधिकारिक ईमेल आईडी पर एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ। ईमेल मिलते ही तुरंत बम खतरा आकलन समिति बैठक बुलाई गई। की एक आपात

सांसद का मानसून सत्र

अंतिम रूप देने के लिए सोनिया ने बुलाई 15 जुलाई को बैठक...

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी संसद के मानसून सत्र के लिए पार्टी की रणनीति को अंतिम रूप देने के वास्ते मंगलवार को एक अहम बैठक की अध्यक्षता करेंगी। संसद के मॉनसून सत्र के हंगामेदार रहने की उम्मीद है क्योंकि कांग्रेस पार्टी सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की योजना बहा रही है। विपक्षी दल बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण संबंधी निर्वाचन आयोग के कदम पर कड़ी आपत्ति जता सकते हैं। इसके अलावा कांग्रेस पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद की

कूटनीतिक गतिविधियों पर चर्चा की मांग भी करती रही है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता पतिपक्ष राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। बैठक की अध्यक्षता सोनिया गांधी अपने 10 जनपथ स्थित आवास पर करेंगी। सरकार ने घोषणा की है कि संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक जारी रहेगा, जो पहले से तय समय से एक सप्ताह ज़्यादा है। इससे बड़ी विधायी कार्यसूची का संकेत मिलता है। पहले यह सत्र 12 अगस्त को समाप्त होना था लेकिन अब इसे एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया गया है। लंबी अवधि वाला सत्र ऐसे समय में हो रहा है जब सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी क्षेत्र के प्रवेश को सुगम बनाने सहित कई प्रमुख विधेयक लाने की योजना बना रही है। सरकार, 'परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम' और 'परमाणु ऊर्जा अधिनियम' में संशोधन करने की योजना बना रही है।

बिहार के वोटर लिस्ट में विदेशियों के नाम

बीहार की वोटर लिस्ट में बांग्लादेशी,नेपाली,म्यांमारियों के नाम

पटना/ एजेंसी

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले जारी मतदाता सत्यापन अभियान (एसआईआर) में बड़ा खुलासा हुआ है। निर्वाचन आयोग की ओर से कहा गया है कि बिहार के वोटर लिस्ट में बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों के नाम हैं जिनमें नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश के सिटीजन शामिल हैं। डोर टू डोर सत्यापन में यह भी पता चला है कि इन विदेशियों के पास वोटर कार्ड, आधार कार्ड और राशन कार्ड भी मौजूद है। निर्वाचन आयोग की ओर से कहा गया है कि फाइनल वोटर लिस्ट में इनका नाम नहीं होगा। एसआईआर का मकसद ही अवैध मतदाताओं को मतदाता सूची से बाहर करना है। मतदाता सत्यापन के नाम पर जारी राजनीति के बीच यह तथ्य उजागर होने से सियासी हलके में खलबली मच गई है क्योंकि कांग्रेस समेत महागठबंधन के सभी दल इस अभियान का विरोध कर रहे हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक निर्वाचन आयोग ने कहा है कि 30 सितम्बर को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची से इन सबका नाम हटा दिया जाएगा। आयोग की ओर से यह भी कहा गया है कि पूरे देश में मतदाता सत्यापन चलाया जाएगा ताकि विदेशी घुसपैठियों को जिन्होंने गलत तरीके कार्ड हासिल कर वोटर बन गये हैं लिया है, मतदाता सूची से बाहर कर दिया जाएगा। इसके लिए उनके जन्म स्थान का सत्यापन कराया जाएगा। निर्वाचन आयोग ने दावा किया है कि शनिवार तक बिहार में जारी एसआईआर के तहत 80.11 प्रतिशत

मतदाताओं ने अपना फॉर्म जमा करा दिया है। निर्धारित समय सीमा(25 जुलाई) तक फार्म जमा लेने का काम पूरा कर लिया जाएगा। बिहार में इसी साल अक्टूबर-नवम्बर में विधानसभा चुनाव होने वाला है। इसके मद्देनजर देश के राजनैतिक गलियारे में मतदाता पुनरीक्षण का मामला हॉट टॉपिक बन गया है। विपक्षी दल इसे रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक गए। कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को कुछ इंस्ट्रक्शन देते हुए रोक लगाने से इनकार कर दिया। अगले साल 2026 में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और वेस्ट बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसे देखते हुए एसआईआर अवैध(विदेशी) वोटरों के खिलाफ बड़ा और कारगर कदम सिद्ध होने वाला है। बताते चलें कि बिहार में चल रहे मतदाता सत्यापन अभियान को रोकने के लिए 9 जुलाई को बिहार बंद किया गया जिसमें विपक्षी दलों के नेता और कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी पटना पहुंच गए और तेजस्वी यादव, मुकेश सहनी के साथ बंदी में शामिल हुए जबकि एनडीए सरकार शुरू से ही कह रही थी कि अवैध और विदेशी वोटरों को बाहर करने के लिए एसआईआर जरूरी है। वोटर लिस्ट में विदेशी वाली बात सामने आने के बाद एनडीए को बल मिला है तो इंडिया गठबंधन के लिए बुरी खबर है।

यहां नेपाली और बांग्लादेशी हैं तो यह बड़ी चिंता की बात-प्रशांत किशोर?

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने इसपर कहा, 'चुनाव आयोग ने पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की है। यदि वे बता रहे हैं कि यहां नेपाली और बांग्लादेशी हैं तो यह बड़ी चिंता की बात है। क्या चुनाव आयोग यह स्वीकार कर रहा है कि जिस निर्वाचक नामावली से लोकसभा का चुनाव हुआ, उसमें बड़ी संख्या में बांग्लादेशी या गैर कानूनी लोग शामिल थे? दूसरी बड़ी बात है कि यदि यह लोग बिहार में आकर रह रहे हैं तो बिहार में तो भाजपा-नीतीश की सरकार है, यह लोग कैसे रह रहे हैं? पुलिस प्रशासन क्या कर रहा है? नीतीश सरकार को जवाब देना चाहिए कि उनकी सरकार के रहते ऐसे लोगों को बिहार में आकर रहने, यहां की सुविधाओं का लाभ लेने, वोट देने का अधिकार कैसे मिल गया?

सतनामी समाज में उबाल: आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब पर पथराव, धर्मगुरु बालदास साहेब ने दी 24 घंटे की चेतावनी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में शुक्रवार की रात को एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जब आरंग विधायक और सतनाम समाज के गुरु गुरु खुशवंत साहेब के काफिले पर अज्ञात असामाजिक तत्वों ने पथराव कर दिया। यह हमला नवागढ़ से रायपुर की ओर जाते समय चारभाटा और भोईनाभाटा के बीच हुआ। पथराव के कारण विधायक की कार का शीशा टूट गया और उन्हें चोट भी आई।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। इस हमले ने न केवल राजनीतिक बल्कि सामाजिक स्तर पर भी गहरी प्रतिक्रिया उत्पन्न की है। सतनामी समाज में भारी आक्रोश देखा जा रहा है, जिसे वे एक ÷सुनियोजित साजिश÷ मान रहे हैं।

धर्मगुरु बालदास साहेब ने किया घटनास्थल का निरीक्षण -रविवार को आरंग विधायक के पिता और सतनाम समाज के धर्मगुरु बालदास साहेब स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने टूटा हुआ बिजली खंभा और अन्य संदिग्ध परिस्थितियों को देखकर मामले को गंभीर बताया। उन्होंने पुलिस अधीक्षक और बिजली विभाग के अधिकारियों को सुरक्षा में लापरवाही को लेकर फटकार भी लगाई। धर्मगुरु ने कहा कि घटना केवल एक हमला नहीं, बल्कि सतनाम समाज की आस्था पर चोट है। उन्होंने पुलिस प्रशासन को 24 घंटे के भीतर दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई करने का अल्टीमेटम दिया। अन्यथा, समाज उग्र आंदोलन के लिए विवश होगा।

सुरक्षा व्यवस्था में दिखा सुधार - बालदास साहेब के दौरे के दौरान जिला प्रशासन सतर्क नजर आया। उनके प्रवास को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की गई थी, फॉलो पायलेटिंग और पुलिस बल की तैनाती स्पष्ट रूप से देखी गई।

प्रशासन की प्रतिक्रिया -पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी गई है। आसपास के गांवों में पूछताछ की जा रही है और क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस का प्रयास है कि जल्द से जल्द दोषियों को गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाए।

समाज में आक्रोश, न्याय की मांग -इस घटना ने सतनाम समाज को झकझोर कर रख दिया है। समाज के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इसे जनप्रतिनिधि पर हमला नहीं, बल्कि पूरी विचारधारा पर हमला बताया है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल न्याय की मांग की है। अब सबकी नजरें प्रशासन पर टिकी हैं कि वह सतनाम समाज के धर्मगुरु की चेतावनी के बाद कितनी तत्परता से कार्रवाई करता है, जिससे समाज की आस्था और कानून व्यवस्था पर विश्वास बना रहे।

एक करोड़ की ठगी का पर्दाफाश, फरार आरोपी का सहयोगी गिरफ्तार

कांकेर /मूक पत्रिका

जिले में करोड़ों की ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें एक डॉक्टर के परिवार को पैसे दोगुने करने का झांसा देकर ठगा गया। पीड़ित युवती अपर्णा रामटेके (26 वर्ष) द्वारा की गई शिकायत के आधार पर थाना कांकेर में अपराध क्रमांक 148/25 धारा 420 भादवि के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले की जांच में तेजी लाते हुए आरोपी के सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी अभी फरार है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता के पिता का क्लिनिक कांकेर के संतोषी मेडिकल स्टोर परिसर में वर्ष 2017 से संचालित है। इसी क्लिनिक में संजय नगर निवासी अलीम खान अपनी पत्नी के इलाज के लिए आया करता था। पहचान बनने के बाद नवंबर 2018 में अलीम खान ने खुद को कोलकाता की एक कंपनी में कार्यरत बताते हुए डॉक्टर को निवेश पर दोगुना लाभ मिलने का झांसा दिया।अलीम ने पहले 2 लाख रुपये नकद लिए और बाद में यह कहकर और धनराशि मांगी कि पिछली कंपनी डूब गई है लेकिन अब वह एक नई कंपनी से जुड़ गया है और वहां से गारंटी के साथ पैसे वापस मिलेंगे। वर्ष 2019 से 2024 तक लगातार किश्तों में डॉक्टर और उनकी बेटी ने कुल मिलाकर करीब 1 करोड़ रुपये अलीम खान को दिए कुछ नकद, कुछ ऑनलाइन ट्रांजेक्शन और कुछ सीधे खातों में ट्रांसफर किए गए।पुलिस जांच के दौरान खुलासा हुआ कि अलीम खान ने अपने सहयोगी डीलक्स मरकाम के खाते में भी लगभग 23 लाख रुपये ट्रांसफर करवाए थे। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि डीलक्स मरकाम अपने ग्राम चिपरेल (थाना केशकाल, जिला कोण्डागांव) में मौजूद है। तत्काल एक विशेष टीम गठित कर उसके निवास पर दबिश दी गई और डीलक्स मरकाम (35 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया और उसके पास से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन में उपयोग किया गया मोबाइल फोन भी जप्त किया गया है। आरोपी को 13 जुलाई 2025 को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। वहीं मुख्य आरोपी अलीम खान अब भी फरार है, जिसकी तलाश में कांकेर पुलिस लगातार प्रयास कर रही है।

जनपद सदस्य पवन कर्मा ने ग्राम पंचायत झोरिया बाढ़म, कुतुलनार का किया दौरा

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

जिले के गीदम विकासखण्ड अन्तर्गत बीते रविवार को ग्राम पंचायत झोडियाबडाम के कुतूलनार मे एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे।पवन कर्मा जनपद सदस्य ने ग्राम वासियों से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्या की जानकारी ली साथ में ग्राम वासी शामिल रहे एवं ग्रामीणों ने बताया कि बोरिंग बहुत दिनों से खराब है इस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए पवन कर्मा ने विभागीय अधिकारी को सूचना एवं तत्काल अवगत किया और जल्द ही बोरिंग में सुधार करने हेतु निर्देशित किया गया है। पी एच ई के अधिकारियों ने बताया कि पानी के मौसम में बोरिंग गाड़ी अभी नहीं जाने की स्थिति में है और अभी तत्काल सुधार कार्य नहीं हो पाएगा ।जैसे मौसम खुलेगा वैसी बोरिंग की मरम्मत व्यवस्था हो जाएगी , यह आश्वासन पी एच ई के अधिकारियों द्वारा दिया गया है। इस अवसर पर जनपद सदस्य पवन कर्मा ने ग्राम वासियों से मेल मुलाकात भी किया गया । इस अवसर पर क्षेत्र जनपद सदस्य पवन कुमार कर्मा, शिवराम नेताम, समस्त ग्रामीण जन उपस्थित रहे ।

राम मंदिर तालाब के पास हुई सड़क दुर्घटना प्रशासन की लापरवाही का परिणाम है - नरेन्द्र देवांगन

घटना के लिए जिम्मेदार कर्मचारी अधिकारीयों के खिलाफहो कार्यवाही – कांग्रेस

शहर की स्ट्रीट लाइट बंद पढ़ी है नेशनल हाइवे की सड़क अप डाउन हो गया है सुध लेने वाला कोई नहीं– नरेन्द्र देवांगन

कोंडागांव /मूक पत्रिका

राम मंदिर तालाब के पास हुई ट्रक से स्कूटी सवार युवक को कुचले जाने की दुर्घटना को लेकर कोंडागांव शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष नरेन्द्र देवांगन ने प्रेस मे बयान जारी कर कहा कि यह दुर्घटना प्रशासन कि लापरवाही के चलते हुए है इस मौत का जिम्मेदार स्थानीय प्रशासन है।नेशनल हाइवे 30 जो की कोंडागांव शहर से होकर गुजरती है उसी से लगा हुआ राममंदिर तालाब जिसमे भू स्खलन के चलते तालाब से लगी सड़क को दोनों तरफ से नो एंट्री कि बोर्ड लगाकर ब्लॉक कर दिया है ताकि कोई बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके यह प्रशासन की तारीफ योग्य कदम है परन्तु शनिवार शाम उसी ब्लॉक सड़क मे तालाब के पास ट्रक से एक युवक के सर को कुचलते हुए आगे बढ़कर घटना स्थल से भाग जाने मे सफल होने की घटना सुनने मे आती है हम लोगों ने मौके पर जाकर देखा घटना मे प्रशासन की लापरवाही साफ झलक रही है क्योंकि जिस युवक का ट्रक मे दबने से मौत हुई है उस युवक का एक छोटा सा सड़क किनारे पूजा सामग्री माला शंख की दुकान है और ज़ब वह मार्ग बंद है तो ट्रक वहाँ तक पहुंची कैसे??? ज़ब मस्जिद व राममंदिर के पास दोनों तरफ से नो एंट्री का बोर्ड लगा है दोनों तरफ स्टॉपर लगा है तो नो एंट्री मे ट्रक को एंट्री की परमिशन आखिर किसने दी??? सुनने मे यह भी आया इस बंद मार्ग मे सुबह से ही कार व चार पहिया वाहने चल रही है तो प्रशासन आखिर कहां थी??? यातायात पुलिस क्या केवल अवैध वसूली के लिए है क्या??? अभी हाल ही मे कुछ दिन पूर्व यातायात पुलिस द्वारा पैसा लेने देने जैसी वीडियो सोशल मीडिया मे बहुत वायरल हो रहा था हर दूसरे दिन कोंडागांव से लगे अलग अलग गांव मे यातायात पुलिस की उगाही जारी रहती है तो बिच शहर मे ज़ब इतनी बड़ी घटना घटित हुई तो यातायात पुलिस कहाँ थी??? क्या घटना के दौरान दोनों तरफ स्टॉपर नो एंट्री की बोर्ड के पास मौजूद थे?अगर मौजूद रहे तो किनके आदेश पर नो एंट्री की बोर्ड के साथ लगे स्टॉपर को आवाजाही हेतु हटाया गया और अगर हटाया गया तो किस कारण हटाया गया?क्या किसी की जान से खेलने का अधिकार प्रशासन को है??? पहले तो घटिया निर्माण फिर ज़ब निर्माण ढह जाये तो भू सख्लन का नाम देकर प्रपंच फिर उसमे भी लापरवाही कोंडागांव की जनता बर्दास्त नहीं करेगी। जिस युवक की शनिवार शाम दुर्घटना मे मौत हुई है उसे प्रशासन की लापरवाही मानते हुए तत्काल मुआवजा दिया जाये साथ ही ट्रक मालिक चालक के विरुद्ध तो कार्यवाही होना ही है लापरवाही मे सम्मिलित कर्मचारी अधिकारीयों के खिलाफ भी कार्यवाही होनी चाहिए व जिस शख्स के कार लिए नो एंट्री के बोर्ड को हटाया गया उसकी भी जाँच कर उसके विरुद्ध भी कार्यवाही होनी चाहिए।आगे नरेन्द्र देवांगन ने शहर की बंद पढ़ी स्ट्रीट लाइट को लेकर कहा शहर की स्ट्रीट लाइट बंद पढ़ी हैं जिसका सुध लेने वाला कोई नहीं है नेशनल हाइवे की शहर अंदर की सड़क अप डाउन है जगह जगह पर जिसके चलते मोटर साईकिल अनियंत्रित हो जाती है अधिकांश घटनाएं तो इसी वजह से घट रही है परन्तु सुध लेने वाला कोई नहीं वैसे तो ट्रीपल इंजन की सरकार है चुनाव से पहले बड़े बड़े वादे बड़ी बड़ी घोषणाएं तो कर दिए सत्ता हासिल भी कर लिए पर ड्ढ धरातल मे कोई नजर नहीं आता शहर के भीतर कई दिनों से स्ट्रीट लाइट बंद है कहां है नगर पालिका कहा है स्थानीय विधायक लता उसेंडी क्या केवल चुनाव जितने के लिए स्थानीयों को प्राथमिकता देने की बात कर के विधायकी हासिल की हैं जनता से कोई सरोकार नहीं है। विधायक आपको कोंडागांव विधानसभा क्षेत्र की जनता ने विधायक चुना है ओड़िसा के साथ साथ थोड़ा कोंडागांव मे भी ध्यान देंगे उम्मीद है स्ट्रीट लाइट जल्द जगमगेगी और सड़क मे सुधार होगा इसके बावजूद अगर कोई प्रगति नहीं दिखती तो कांग्रेस पार्टी आंदोलन का रुख अपनायेगी अगर प्रशासन द्वारा मामले को दबाने का प्रयास किया गया तो कांग्रेस पार्टी शांत नहीं बैठेगी जनता की आवाज को बुलंद करते हुए जायज मांगों को लेकर उग्र प्रदर्शन करेगी जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

सर्व आदिवासी समाज, ब्लॉक ईकाई कटेकल्याण ने निर्माणाधीन शहीद वीर हिड़मा मांझी कालेज का निरीक्षण

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

सर्व आदिवासी समाज, ब्लॉक ईकाई कटेकल्याण ने निर्माणाधीन शहीद वीर हिड़मा मांझी कालेज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ये देखा गया कि तीन साल पहले कालेज का काम शुरू तो हुआ पर जमीन लेबल से उठ न सका। फिर शायद शासन प्रशासन को भी इसका सुध लेने का समय नही मिलाऔर काम तीन साल से रुखा हुआ है। अभी फिलहाल कालेज एक पुराना प्राथमिक शाला में क्लासेस लग रही है। जो कि ब्लॉक स्तर के सभी बच्चों के लिए काफी नही है, तीन सालों से बच्चे आश लगाये बैठे है कि हमको नया कालेज भवन में बैठकर पढ़ने का मौका मिलेगा। पर इस तरह धीमी गति से रेंगता हुआ निर्माण कार्य से यह नही लगता कि अगले 5 साल में निर्माण कार्य पूरा हो पायेगा। सर्व आदिवासी समाज ब्लॉक ईकाई कटेकल्याण यह शासन प्रशासन से यह मांग करता है इन बातों को संज्ञान में लेकर अति शीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण कर कालेज स्तर का पढ़ाई शुरू करें। निरीक्षण में मुख्य रुप से युवा प्रभाग अध्यक्ष हेमलाल कुंजाम, सचिव सुखराम पोडियाम, राजेश कुंजाम, आयतु कुडामी,समडू मंडावी, तुलसी मरकाम, लच्छू कुडामी व अन्य सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सर्व यादव समाज के जिला उपाध्यक्ष बने अजय तो वहीं नगर अध्यक्ष का दायित्व मिला गौतम को

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव 2025 की तैयारियों को लेकर सर्व यादव समाज की जिला स्तरीय बैठक दिनांक 13 जुलाई 2025 को जांजगीर स्थित सी-मार्ट में आयोजित की गई। बैठक में जन्माष्टमी महोत्सव की रूपरेखा पर चर्चा के साथ-साथ जिला कार्यकारिणी का विस्तार भी किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिलाध्यक्ष विनोद गोपाल ने सर्वसम्मति से चाम्पा से अजय यादव को जिला उपाध्यक्ष (चांपा प्रभारी) तथा गौतम यादव को नगर अध्यक्ष (चाम्पा) के रूप में नियुक्त किया। इस घोषणा के साथ ही समाज में हर्ष की लहर दौड़ गई।

बैठक में प्रमुख रूप से डॉ. सुरेश यादव, दीपक यादव, पार्षद विष्णु यादव, मोहन यादव, अमित यादव, धर्मेन्द्र यादव, सोनू यादव, मनोज यादव सहित समाज के अन्य गणमान्यजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल कार्यकाल की कामना की।गौतम यादव भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के सक्रिय कार्यकर्ता हैं तथा कई सामाजिक एवं राजनीतिक आयोजनों में नेतृत्व की भूमिका निभा चुके हैं। उनकी संगठन क्षमता, जनसम्पर्क और सामाजिक सक्रियता को देखते हुए यह नियुक्ति समाज हित में मानी जा रही है।

वहीं अजय यादव कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता हैं, वहीं यादव समाज के लिए भी हमेशा समर्पित रहे हैं। इनके जिला उपाध्यक्ष बनने पर नगर तथा जिले भर के लोगों ने उन्हें मिले इस नए दायित्व के लिए शुभकामना दी है।

बैठक में यह संकल्प भी लिया गया कि जन्माष्टमी महोत्सव को भव्य व गरिमामयी स्वरूप में आयोजित किया जाएगा, जिसमें समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

जामगांव के ग्रामीणों ने अवैध प्रार्थना सभा को बंद कराने के लिए सौंपा ज्ञापन

कांकेर (बासनवाही)/मूक पत्रिका

नरहरपुर ब्लाक के जामगांव में अवैध रूप से संचालित हो रही चर्च में प्रार्थना सभा को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने जबरदस्त आक्रोश है। जामगांव के ग्रामीणों ने एकजुट होकर नरहरपुर तहसीलदार को आवेदन देकर अवैध रूप से चर्च में प्रार्थना सभा को तत्काल बंद करने की मांग किया है। ग्रामीणों ने कहा कि इस सभा के माध्यम से गांव एवं आसपास के भोलेभाले लोगों को बहला फुसला कर धर्मांतरण करवाया जाता है, जिससे गांव की संस्कृति रीति नीति परम्परा को ठेस पहुंच रही है। ग्रामीणों ने बताया कि इस सबंध में पूर्व में भी तहसीलदार को ज्ञापन सौंप कर अवैध रूप से संचालित प्रार्थना सभा को रोक लगाने की मांग किया गया था, लेकिन अब तक किसी प्रकार की ठोस कार्यवाही नही करने से गांव में आक्रोश है। ग्रामीणों की मांग है कि ग्राम में संचालित-अवैध प्रार्थना सभा को तत्काल बंद किया जाए, धर्मांतरण की गतिविधियों पर पूर्णतः रोक लगाई जाए। गांव की पारंपरिक, संस्कृति रीतिरिवाज एवं सामाजिक ढांचे की रक्षा सुनिश्चित की जाए। ग्रामीणों ने कहा कि यदि शीघ्र कारवाही नही गई तो वे उग्र आंदोलन एवं चक्का जाम करने बाध्य हो जाएंगे। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी तहसीलदार की होगी। शिकायत किए जाने के बाद आज तक तहसीलदार ने समस्या के निराकरण के लिए किसी भी तरह की कोई पहल नहीं किया है।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में 4थी जिला योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2025-26:

शिष्य ने गुरु को दी मात, योग के प्रति बढ़ा उत्साह

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

योग को खेल के रूप में बढ़ावा देने और युवाओं को राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से, दंतेवाड़ा जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन (ष्ठष्ठङ्क्ष) द्वारा 4थी जिला योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2025-26 का भव्य आयोजन 12 और 13 जुलाई 2025 को किरंदुल के अंबेडकर भवन, मुख्य बाजार के पास किया गया। बीआईओएम किरंदुल कॉम्प्लेक्स के सहयोग से आयोजित इस चैंपियनशिप में विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभागियों ने अपनी योग क्षमताओं का शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें एक रोमांचक मुकाबले ने सभी का ध्यान खींचा–45 से 55 वर्ष आयु वर्ग में गुरु-शिष्य की जोड़ी, प्रवाल मंडल और तुलेश्वर निषाद, के बीच हुए मुकाबले ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

आयोजन का महत्वः योग को खेल के रूप में स्थापित करने की दिशा में कदम-यह चैंपियनशिप न केवल योग को एक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह युवाओं और सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों को 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' और 'राष्ट्रीय खेल' जैसे बड़े मंचों पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर प्रदान करती है। दंतेवाड़ा जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन, जो छत्तीसगढ़ योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन (ष्टत्रङ्क्ष) और योगासन भारत (ङ्क्क) से संबद्ध है, ने इस आयोजन को एक ऐसे मंच के रूप में डिज़ाइन किया है, जहां प्रतिभागी अपनी योग कला को निखारकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर की चैंपियनशिप के लिए चयनित हो सकते हैं। आयोजन का नारा 'सत्यमेव जयते' (सत्य की ही जीत होती है) योग के प्रति समर्पण, अनुशासन और सच्चाई को दर्शाता है। यह आयोजन भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है और वर्ल्ड योगासन तथा इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (ढ्ढह्र) के साथ सहयोगी सदस्य के रूप में जुड़ा हुआ है।

रोमांचक मुकाबलाः शिष्य ने गुरु को दी पटखनी-चैंपियनशिप का सबसे रोमांचक और चर्चित मुकाबला 45 से 55 वर्ष आयु वर्ग में देखने को मिला, जहां मार्शल आर्ट के गुरु प्रवाल मंडल और उनके शिष्य, योग शिक्षक तुलेश्वर निषाद, आमने-सामने थे। इस मुकाबले ने न केवल दर्शकों का उत्साह बढ़ाया, बल्कि गुरु-शिष्य की परंपरा को एक नया आयाम दिया। तुलेश्वर निषाद ने सात योगासनों में से सभी में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए अपने गुरु को करारी मात दी। दूसरी ओर, प्रवाल मंडल केवल एक योगासन में आंशिक रूप से सफल रहे और बाकी में स्वतः हार मानते हुए पीछे रह गए। इस अप्रत्याशित परिणाम ने न केवल दर्शकों को आश्चर्यचकित किया, बल्कि यह भी साबित किया कि योग में उम्र, अनुभव या पद कोई मायने नहीं रखता–केवल समर्पण और अभ्यास ही जीत की कुंजी है।

तुलेश्वर निषाद की इस जीत ने नई पीढ़ी के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। उनकी मेहनत, एकाग्रता और योग के प्रति समर्पण ने साबित कर दिया कि शिष्य अपने गुरु को भी पीछे छोड़ सकता है, बशर्ते वह अनुशासित और मेहनती हो। इस मुकाबले ने दर्शकों के बीच खूब तालियां बटोरीं और योग को खेल के रूप में अपनाने के प्रति उत्साह को और बढ़ाया।

आयु वर्ग और इवेंट्सः सभी के लिए अवसर-चैंपियनशिप में विभिन्न आयु वर्गों के लिए अलग-अलग श्रेणियां निर्धारित की गई थीं, ताकि सभी प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का समान अवसर मिले। आयु वर्ग निम्नलिखित थेः

10+ से 14 वर्ष
14+ से 18 वर्ष
18+ से 28 वर्ष
28+ से 35 वर्ष
35+ से 45 वर्ष
45+ से 55 वर्ष

प्रत्येक आयु वर्ग में लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग इवेंट्स आयोजित किए गए। व्यक्तिगत और युगल इवेंट्स में प्रतिभागियों ने अपनी योग कला का प्रदर्शन किया, जिसमें निम्नलिखित शामिल थेः

व्यक्तिगत इवेंट्सः पारंपरिक योगासनः शारीरिक और मानसिक संतुलन को दर्शाने वाली पारंपरिक मुद्राएं।

फॉरवर्ड बेंडः लचीलापन और शारीरिक ताकत को परखने वाली मुद्राएं।बैक बेंडः रीढ़ की मजबूती और संतुलन का प्रदर्शन।

लेग बैलेंसः एकाग्रता और शारीरिक स्थिरता को दर्शाने वाली मुद्राएं।ट्विस्टिंग बॉडीः लचीलापन और मांसपेशियों की ताकत को परखने वाली मुद्राएं।हैंड बैलेंसः शारीरिक शक्ति और नियंत्रण को प्रदर्शित करने वाली मुद्राएं।सुपाइनः विश्राम और शारीरिक संतुलन पर केंद्रित मुद्राएं।आर्टिस्टिक योगासन सिंगलः रचनात्मक और कलात्मक योग मुद्राओं का प्रदर्शन।युगल इवेंट्सः आर्टिस्टिक योगासन पेयरः दो खिलाड़ियों द्वारा एक साथ रचनात्मक योग मुद्राओं का प्रदर्शन।रिदमिक योगासन पेयरः संगीतमय और लयबद्ध तरीके से योग मुद्राओं का प्रदर्शन।प्रत्येक खिलाड़ी को अधिकतम तीन इवेंट्स में भाग लेने की अनुमति थी, जिसने उन्हें अपनी प्रतिभा को विविध तरीकों से प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया।

योग के प्रति बढ़ता उत्साह और भविष्य की संभावनाए-यह चैंपियनशिप दंतेवाड़ा जैसे क्षेत्र में योग के प्रति बढ़ते उत्साह का प्रतीक है, जो एक समय नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में जाना जाता था। हाल के वर्षों में, दंतेवाड़ा ने शिक्षा, खेल और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। इस आयोजन ने न केवल स्थानीय युवाओं को प्रेरित किया, बल्कि यह भी दिखाया कि योग एक ऐसा माध्यम हो सकता है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के साथ-साथ सामाजिक एकता को भी मजबूत करता है।तुलेश्वर निषाद की जीत ने यह संदेश दिया कि योग में कोई सीमा नहीं है। उनकी सफलता नई पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा है, जो यह दर्शाती है कि मेहनत और लगन से कोई भी अपने लक्ष्यों को हासिल कर सकता है। इस चैंपियनशिप ने यह भी साबित किया कि दंतेवाड़ा जैसे क्षेत्रों में खेल और योग के प्रति जागरूकता बढ़ रही है, और यह क्षेत्र अब केवल चुनौतियों के लिए नहीं, बल्कि अवसरों और उपलब्धियों के लिए भी जाना जाएगा।

RTI में पारदर्शिता की पोल खुली : केवरा पंचायत ने भेजा सादा कागज़, दो पंचायतों ने अब तक नहीं दी जानकारी

Translated with Google Lens

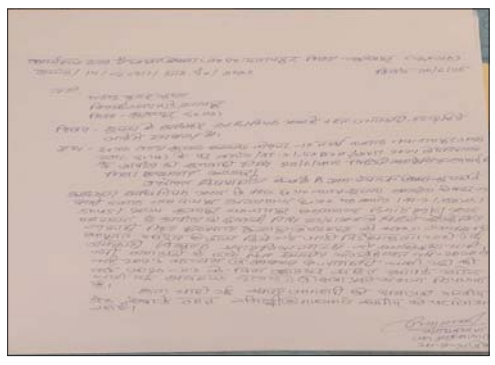

Translated with Google Lens

प्रतापपुर निवासी महेंद्र गुप्ता ने उठाया सवाल, आयोग व हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना

सूरजपुर/मूक पत्रिका

सूचना के अधिकार अधिनियम (ऋ्रइढ्ढ) की जमीनी हकीकत पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रतापपुर निवासी महेंद्र गुप्ता द्वारा मांगी गई जानकारी पर छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग और बिलासपुर हाईकोर्ट के आदेशों के बावजूद ग्राम पंचायत खैराडीह और सौंतार ने अब तक कोई सूचना नहीं भेजी, वहीं केवरा पंचायत ने रजिस्ट्री में सिर्फ एक पत्र के साथ सादा कागज़ भेजा।

12 पंचायतों को दी गई थी सूचना देने की हिदायत -महेंद्र गुप्ता ने 2020ङ्क23 के विकास कार्यों, बिल-वाउचर व योजनाओं की जानकारी मांगी थी। इस पर राज्य सूचना आयोग ने प्रतापपुर जनपद की 12 पंचायतों को सूचना निःशुल्क भेजने का आदेश दिया था।

केवरा की रजिस्ट्री खुली, बाकी खोलने से इंकार -10 पंचायतों ने सूचना रजिस्ट्री से भेजी, लेकिन अब तक सिर्फ केवरा की रजिस्ट्री खोली गई, जिसमें सिर्फ एक पत्र मिला और बाकी कागज़ कोरे थे। गुप्ता ने इसे जानबूझकर की गई गड़बड़ी बताया और अब बाकी रजिस्ट्रियां उच्च अधिकारियों की उपस्थिति में ही खोलने की बात कही।

जनसूचना अधिकारी राम मूरत राम पर आरोप -ग्राम पंचायत केवरा के जनसूचना अधिकारी राम मूरत राम पर आयोग और कोर्ट के आदेशों की अवहेलना और ग़लत जानकारी भेजने का आरोप है।

जनपद सीईओ ने मानी लापरवाही - जनपद पंचायत प्रतापपुर के सीईओ निपेंद्र सिंह ने माना कि यह ग्राम सचिव की गंभीर लापरवाही है और लौटकर जांच कर कार्रवाई की बात कही।

लोकतंत्र की मूल भावना को ठेस -महेंद्र गुप्ता ने कहा कि जब जागरूक नागरिक को भी कोर्ट के आदेश के बावजूद सच्चाई की जगह सादा कागज़ भेजा जाए, तो यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि लोकतंत्र का अपमान है। उन्होंने राज्य सूचना आयोग और कलेक्टर सूरजपुर से दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने शुरू की युवा रत्न सम्मान योजना – नवाचार, सेवा और प्रतिभा को मिलेगा राज्य स्तरीय सम्मान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राज्य के युवाओं और संगठनों के उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ÷युवा रत्न सम्मान योजना÷ लागू की गई है। यह योजना उन व्यक्तियों और स्वैच्छिक संगठनों को सम्मानित करने की पहल है, जिन्होंने युवा कल्याण के क्षेत्र में विशिष्ट सेवाएं, नवाचार या प्रेरणादायक कार्य किए हैं। योजना के तहत राज्य शासन द्वारा प्रत्येक वर्ष विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले युवाओं और संगठनों को युवा रत्न सम्मान प्रदान किया जाएगा। इसमें असाधारण और विशिष्ट सेवा कार्यों के लिए दो श्रेणियां निर्धारित की गई हैं – एक युवा व्यक्ति और एक स्वैच्छिक संगठन को ?2.5 लाख से ?5 लाख तक की पुरस्कार राशि दी जाएगी। सम्मान की श्रेणियों मे युवा रत्न सम्मान सामाजिक क्षेत्र मे, युवा रत्न सम्मान साहित्य क्षेत्र मे, युवा रत्न सम्मान उद्योग क्षेत्र मे, युवा रत्न सम्मान शिक्षा क्षेत्र मे, युवा रत्न सम्मान खेल क्षेत्र मे, युवा रत्न सम्मान पर्यावरण क्षेत्र मे, युवा रत्न सम्मान मीडिया क्षेत्र मे, युवा रत्न सम्मान स्वास्थ्य क्षेत्र मे, युवा रत्न सम्मान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र मे, युवा रत्न सम्मान दिव्यांगजन क्षेत्र मे, युवा रत्न सम्मान कला एवं संगीत क्षेत्र मे, युवा रत्न सम्मान लोककला क्षेत्र मे, युवा रत्न सम्मान महिला एवं बाल विकास (केवल महिलाओं और बालिकाओं को) प्रत्येक क्षेत्र में चयनित एक युवा को ?1,00,000 की पुरस्कार राशि, एक पदक और एक प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

इस सम्मान के लिए वही व्यक्ति पात्र होंगे जो छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी हों और आयु 15 से 29 वर्ष के बीच हो। जिस वित्तीय वर्ष में पुरस्कार दिया जाएगा, उस वर्ष की 1 अप्रैल को न्यूनतम 15 वर्ष तथा 31 मार्च को अधिकतम 29 वर्ष की आयु होना आवश्यक है। सरकार का उद्देश्य इस योजना के माध्यम से युवाओं में नेतृत्व, सामाजिक सेवा, नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है, ताकि वे राज्य और देश के लिए प्रेरणास्रोत बन सकें। यह सम्मान किसी व्यक्ति या संस्था को एक से अधिक बार प्रदान नहीं किया जाएगा। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी व आवेदन प्रक्रिया के लिए इच्छुक अभ्यर्थी युवा कल्याण विभाग से संपर्क कर सकते हैं।

जन्मदिन समारोहः छत्तीसगढ़ तेलघानी विकास बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू को कार्यकर्ताओं ने दी शुभकामनाएं

बेमेतरा/देवकर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर लिटिया रेस्ट हाउस में आयोजित समारोह में प्रदेशभर से आए हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने अध्यक्ष श्री साहू को फूल-मालाएं पहनाकर एवं गुलदस्ते भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। भारतीय जनता पार्टी साजा विधानसभा मीडिया विभाग के सह प्रभारी राकेश पाण्डेय ने श्री साहू से मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। इस मौके पर राखी सरपंच भीषम साहू, उपसरपंच अर्जुन भारती, मिलाप राम साहू, गणेश रात्रे, बंसत सतनामी और कन्हैया साहू सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने भी श्री साहू को शुभकामनाएं दीं। समारोह में साजा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही, जिससे आयोजन को एक भव्य स्वरूप प्राप्त हुआ।

योजनाओं के तहत स्वीकृत अपूर्ण व प्रगतिरत निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराएं

कांकेर/मूक पत्रिका

कांकेर छत्तीसगढ़. कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने गत दिवस जिले में स्वीकृत एवं निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी कामों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने जिले की 43 ग्राम पंचायत, जिनमें पांच से अधिक निर्माण कार्य लंबित हैं, उन ग्राम पंचायतो के सरपंच, सचिव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, अनुविभागीय अधिकारी, उप अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा व निर्माण शाखा के लिपिकों की समीक्षा बैठक लेकर उक्त कार्यो को समय सीमा में पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने आंगनबाड़ी तथा उचित मूल्य की दूकान के भवनों, किचन शेड, सेग्रीगेशन शेड को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिये। बैठक में उपस्थित ग्राम पंचायतो के सरपंचों को प्रोत्साहित करते हुए अपूर्ण, प्रगतिरत, निर्माण कार्यो को पूर्ण कराये जाने पर नवीन कार्यों की स्वीकृति का आश्वासन भी दिया गया।

योजनाओं के तहत स्वीकृत अपूर्ण व प्रगतिरत निर्माण कार्यो 7 को समय-सीमा में पूर्ण कराएं-कलेक्टर

साथ ही अपूर्ण आंगनबाड़ी भवनों को 15 अगस्त के पूर्व पूर्ण कराये जाने पर प्रति आंगनबाड़ी केन्द्र आवश्यक सामग्री क्रय किये जाने हेतु 01 लाख रुपये की स्वीकृति दिये जाने के लिए निर्देशित किया। साथ ही जो कार्य पूर्ण हैं, उन कार्यो का मूल्याकंन कर 3 दिवस के भीतर जिला कार्यालय को प्रेषित करने तथा जिन ग्राम पंचायतो में अधिक कार्य अपूर्ण है, उन ग्राम पंचायतों में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायतो को सतत निरीक्षण कर कार्य में गति लाने निर्देशित किया गया। कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने अपूर्ण, प्रगतिरत कार्यो की कार्यवार विस्तृत समीक्षा करते हुए बैठक में सही जानकारी उपलब्ध नही कराये जाने के कारण जनपद पंचायत के शाखा लिपिक तथा ग्राम पंचायत बांदे के सचिव को कारण बताओ सूचना जारी करने के निर्देश दिये। अपूर्ण /प्रगतिरत कार्यों में ऐसे निर्माण कार्य जो पूर्णता पर है, उन्हें 15 अगस्त तक पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। बैठक में संबंधित अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद थे।

जिले में अब तक 178.3 मिमी. औसत वर्षा दर्ज

बेमेतरा/मूक पत्रिका

चालू बारिश सीजन के दौरान बेमेतरा जिले में 01 जून से 13 जुलाई 2025 प्रतिवेदित दिनांक तक की स्थिति में सवेरे 8.00 बजे तक जिले में 178.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में अब तक सर्वाधिक वर्षा तहसील थानखम्हरिया में 247.8 मि.मी. तथा न्यूनतम 83 मि.मी. वर्षा नवागढ़ तहसील में दर्ज की गई है। संयुक्त जिला कार्यालय के भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार बेमेतरा तहसील मे 139.8 मि.मी. वर्षा, नांदघाट तहसील में 205.7 मि.मी. वर्षा, बेरला तहसील में 188.1 मि.मी., देवकर तहसील में 179 मि.मी, वर्षा दाढ़ी तहसील मे 240.6 मि.मी., वर्षा भिंभौरी तहसील में 138.5 मि.मी. एवं साजा तहसील में 182 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

तेलघानी विकास बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू ने जन्मदिन पर किया वृक्षारोपण

बेमेतरा/देवकर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ तेलघानी विकास बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू ने अपने जन्मदिवस पर एक पेड़ मां के नाम पर वृक्षारोपण किया। छत्तीसगढ़ तेलघानी विकास बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू ने अपने जन्मदिवस के उपलक्ष्य में पौधारोपण किया। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर लिटिया रेस्ट हाउस में फलदार व औषधीय पौधे लगाए। अध्यक्ष ने कहा कि पर्यावरण को बचाना हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि हम पर्यावरण बचाएंगे तभी पृथ्वी और मानव का आस्तित्व बना रहेगा।इस मौके पर विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कोटवारों का धरना प्रदर्शन एवं ज्ञापन सौंपने की तैयारी

■ नियम विरुद्ध नियुक्ति के विरोध में कोटवारों का आ ेश, मंत्री के गृह ग्राम का मामला बना चर्चा का विषय

बेमेतरा/मूक पत्रिका

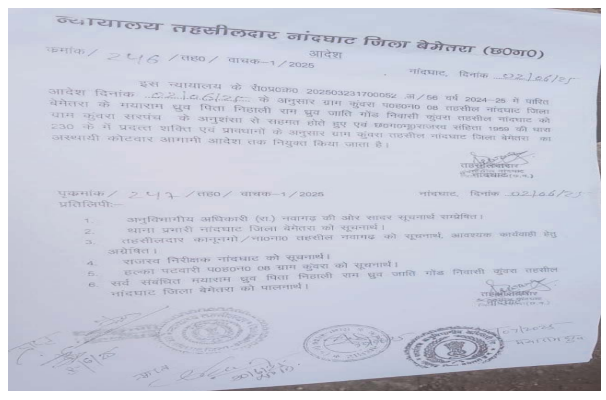

न्यायालय तहसीलदार नांदघाट जिला बेमेतरा (छ0ग0)

नांदघाट तहसील अंतर्गत ग्राम कुरा, जो कि राज्य सरकार के मंत्री का गृह ग्राम है, वहां तहसीलदार द्वारा नियम कानून की अनदेखी कर कोटवार पद पर अवैध नियुक्ति किए जाने का मामला गरमा गया है। इस फैसले के विरोध में जिले भर के कोटवारों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। इस संबंध में बेमेतरा दाढ़ी तहसील एवं नवागढ़ तहसील के समस्त कोटवारों ने एकजुट होकर आज 14 जुलाई सोमवार को सुबह 10 बजे बेमेतरा स्थित कलेक्टर कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन करने तथा कलेक्टर रणबीर शर्मा को ज्ञापन सौंपने की घोषणा की है। जानकारी के अनुसार, कोटवार संघ अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह चौहान (दाढ़ी तहसील) एवं भरत प्रकाश मानिकपुरी (नवागढ़ तहसील) ने संयुक्त रूप से सभी कोटवार साथियों से वर्दी में उपस्थित होकर इस विरोध प्रदर्शन को सफल बनाने की अपील की है। कोटवार संघ का कहना है कि उच्च न्यायालय एवं राज्य शासन के स्पष्ट दिशा-निर्देश होने के बावजूद नांदघाट तहसीलदार द्वारा नियमों को दरकिनार करते हुए मनमानी नियुक्ति की गई है, जो कोटवार समुदाय के साथ अन्याय है।÷ बेमेतरा जिला प्रशासन के लिए यह मामला संवेदनशील माना जा रहा है क्योंकि यह मंत्री के गृह ग्राम से जुड़ा मुद्दा है, जिससे यह राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण बन चुका है। कोटवार संघ ने चेतावनी दी है कि यदि नियुक्ति को रद्द नहीं किया गया तो आगे उग्र आंदोलन किए जाने बाध्य होंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

आरंग विधायक की गाड़ी पर हमले की घटना पर विधायक दीपेश साहू ने जताई गहरी चिंता एवं घटना की निंदा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

आरंग विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब की गाड़ी पर नवागढ़ से लौटते समय चारभांठा और भोईनाभांठा के बीच अज्ञात तत्वों द्वारा किए गए हमले की घटना को लेकर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।विधायक दीपेश साहू ने कहा यह घटना अत्यंत निंदनीय एवं चिंता का विषय है। हमारे आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब नवागढ़ में सतनाम समाज की सामाजिक बैठक में शामिल होने आए थे और रायपुर लौटते समय जिस प्रकार से उनकी गाड़ी पर हमला हुआ, वह बेहद दुर्भाग्यजनक है। ऐसी घटनाएं लोकतंत्र और सामाजिक व्यवस्था के लिए खतरा हैं। मैं इस पूरे घटनाक्रम की घोर निंदा करता हूं।÷ विधायक साहू ने आगे कहा यह जरूरी है कि घटना की निष्पक्ष जांच हो और यह स्पष्ट हो कि आखिर ऐसे कायराना कृत्य को अंजाम देने वाले कौन लोग हैं। हमारे एसपी साहब स्वयं मौके पर मौजूद हैं, जांच प्रारंभ कर दी गई है। जनता को विश्वास दिलाता हूं कि जांच पूरी पारदर्शिता से होगी और दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।÷विधायक दीपेश साहू ने कहा कि इस प्रकार की हिंसा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है और जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने गुरु खुशवंत साहेब के कुशलता की जानकारी मिलने पर राहत की भावना व्यक्त करते हुए उनके स्वस्थ रहने की कामना की।

पालक बालक शिक्षक संगोष्ठी व वैदिक हवन यज्ञ में अभिभावकगण बड़ी संख्या में शामिल हुए

डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता में पालक बालक शिक्षक मीटिंग का भव्य आयोजन

दाढ़ी/मूक पत्रिका

दाढ़ी क्षेत्र का एक मात्र सी बी एस ई एफ्फिलेटेड स्कूल डी ए वी जांता में पालक बालक शिक्षक संगोष्ठी का शानदार आयोजन हुआ। विद्यार्थियों के पढ़ाई स्तर को जानने के लिए बड़ी संख्या में माता-पिता विद्यालय पहुँचे, डी ए वी स्कूल में सी बी एस ई शिक्षा व पाठ्यक्रम को लेकर लोगों की सोच बदलने का अद्वितीय कार्य किया जा रहा है। डी ए वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जाँता के प्राचार्य पी.एल. जायसवाल ने बताया कि डी ए व्ही स्कूल अपने सी.बी.एस.ई. शिक्षा के साथ-साथ नैतिक शिक्षा, व अच्छी संस्कार व सी.बी.एस.ई. के प्रत्येक एक्टिविटी के लिए जाना जाता है। महर्षि दयानंद सरस्वती जी के नाम से ही दयानंद एंग्लो वैदिक विद्यालय प्रारंभ हुआ है।महर्षि दयानंद जी आर्य समाज के संस्थापक है।संस्था में प्रत्येक शनिवार को वैदिक हवन यज्ञ व संस्कार को लेकर नैतिक शिक्षा की पढ़ाई निरंतर होते आ रहा है,साथ ही पालकों ने वैदिक हवन यज्ञ में शामिल हुए। संगोष्ठी में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने विद्यालय पहुंचकर अपने बच्चों के पढ़ाई की स्तर को जाना, साथ ही विद्यालय के हो रहे विभिन्न एक्टिविटी व उच्च स्तर के पढ़ाई को लेकर अभिभावकों में काफी उत्साह हैं। विद्यालय के पालकों ने स्कूल पहुंचकर अपने पाल्य की पैरोड़ीक टेस्ट परीक्षा का रिजल्ट जाने व बच्चों के बहुमुखी विकास के लिए किए जा रहे प्रयास पर बातचीत की। विद्यार्थियों की पढ़ाई स्तर अच्छा व बेहतर से बेहतर हो इसके लिए हम किस तरह से छात्र को आगे बढ़ा सके इसके लिए स्कूल में यह मीटिंग का भव्य आयोजन किया गया था, जिसमें अभिभावकों ने बढ़- चढ़कर भाग लिया प्राचार्य जायसवाल ने बताया कि छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु हमे तीनो कड़ी को मजबूत होना अनिवार्य हैं पालक-बालक-शिक्षक आपस में मिलकर ही हम छात्रों की उज्ज्वल भविष्य की गणना कर सकतें हैं। छात्रों के प्रति मेहनत करने व आगे बढ़ाने के लिए विद्यालय के शिक्षक प्रयासरत व सदैव तत्पर हैं।

विद्यार्थियों की बेहतर शिक्षा में सुधार कैसे करें माता-पिता और शिक्षक का एक ही लक्ष्य होता है, बच्चे की सफलता। माता-पिता, शिक्षक और बच्चे की साझेदारी स्कूली प्रक्रिया को समृद्ध और प्रभावी बनाती है। ÷माता-पिता अपने बच्चों के पहले शिक्षक होते हैं÷। उनका सहयोग बच्चे की पढ़ाई और विकास को प्रभावित करता है।एक सफल अभिभावक के सहयोग के लिए, आपको शिक्षकों के साथ निरंतर बातचीत करने की आवश्यकता होती है। माता-पिता और शिक्षक दोनों अपने अवरोधों को दूर करते हैं और एक साझा लक्ष्य की दिशा में काम करने के लिए तैयार रहते हैं रिजल्ट को बेहतर बनाने ,पालकों की सहभागिता बढ़ाने के लिए बैठक का आयोजन किया गया व इसमें रिजल्ट सहित बच्चों की प्रोग्रेस पर चर्चा की गयी ।पालकों की बैठक का मुख्य उद्देश्य रिजल्ट सुधारना, बच्चों की नियमित उपस्थिति पर जोर देना ,शिक्षा स्तर को बढ़ाना, विद्यार्थियों की प्रोग्रेस पर चर्चा के साथ साथ पालकों से सुझाव भी लिया गया। स्कूल में साप्ताहिक अनेको एक्टिविटी करवाया गया जिसमें गुरुपूर्णिमा, एक पेड़ माँ के नाम 2.0 ,व ग्रीन डे, छात्र परिषद चुनाव आदि सभी धूमधाम से मिलकर बनाए है।स्कूल की संस्कृत शिक्षिक बालेश्वर सिंह ने भव्य वैदिक हवन यज्ञ कराया।संगीत शिक्षक राजा ने भजन प्रस्तुति दिए विद्यालय से शिक्षक ललित देवागन,,अखिलेश पटेल, अनिल कुमार,अभिषेक दुबे, विमल साहु,पूनम शर्मा, ऐश्वर्य देशमुख, प्रवीण देवांगन, बालेश्वर सिंह, आयुषी जैन,कैलाश सिंह, राजा तनतुवे,रेणुका पटेल, रितिका साहू, दीपिका वर्मा, साक्षी शर्मा, अमित कुमार, ममता चन्दकार, लेखनी , संदीप साहू, स्वापनिल शर्मा, शोभा रानी, प्रीति यादव, रुखमणि, रामेश्वरी, सुखदेव साहू ,विजय चंद्राकर , युवराज चन्द्राकर, नरेश साहू आदि उपस्थित रहें।

संपादकीय

ब्रिक्स सम्मेलन मे आतंकवाद को लेकर मोदी का संदेश, सुनाई खरी-खरी

ब्राजील में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में इस समूह के महत्त्व समेत कई अहम मसलों पर चर्चा की गई, जिनमें से एक प्रमुख मुद्दा आतंकवाद का था। इस मौके पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अनुपस्थित रहे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी सम्मेलन में आभासी माध्यम से ही शामिल हुए। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सम्मेलन में मौजूदगी को एक महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश दिया और कहा कि आतंक के पीड़ितों और समर्थकों को एक ही तराजू पर नहीं तौला जा सकता। आतंकियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में किसी भी देश को हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए।ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी को न केवल पाकिस्तान, बल्कि चीन के लिए भी एक नसीहत के रूप देखा जा रहा है। पाकिस्तान जहां आतंकवाद को खाद-पानी देता है, वहीं चीन ने हाल के वर्षों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कई पाकिस्तानी आतंकियों को सूचीबद्ध करने के प्रयासों को अवरुद्ध किया है। इससे इन दोनों देशों की कथनी और करनी में अंतर साफ नजर आता है। पाकिस्तान दुनिया को यह दिखाने का प्रयास करता है कि वह खुद आतंकवाद से पीड़ित है, मगर दूसरी ओर वह आतंकियों को प्रशिक्षित कर उन्हें भारत के खिलाफ हथियार की तरह इस्तेमाल करता है।ब्रिक्स हाल के वर्षों में एक प्रभावशाली समूह के रूप में उभरा है। इसमें भारत, चीन व रूस समेत दुनिया की ग्यारह प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले देश शामिल हैं। ब्रिक्स देश एक 'बहुध्रुवीय विश्व' के लिए जोर दे रहे हैं, जहां शक्ति अधिक बंटी हुई हो। ऐसे में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का ब्रिक्स सम्मेलन से अनुपस्थित रहना चौंकाने वाला है। जिनपिंग के सत्ता संभालने के बाद यह पहली बार है कि वे इस सम्मेलन से दूर रहे। वह भी तब, जब वे ब्रिक्स समूह को अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी गुट के खिलाफ एक आर्थिक विकल्प के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं।भू-राजनीतिक मामलों के लिहाज से देखें तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि ब्रिक्स के हालिया विस्तार ने चीन के लिए इसके वैचारिक मूल्य को कम कर दिया है। इसका एक कारण यह भी माना जा रहा है कि चीन, अमेरिका के साथ व्यापार संघर्ष के कारण घरेलू आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है और जिनपिंग इन दिनों घरेलू अर्थव्यवस्था को दिशा देने में उलझे हुए हैं।बहरहाल, ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद के अलावा, मानवीय मूल्यों पर आधारित कृत्रिम मेधा, अमेरिकी शुल्क, मानवता के विकास के लिए शांतिपूर्ण व सुरक्षित वातावरण के मसले पर भी चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री मोदी का संसदों में संबोधन केवल भाषण नहीं, बल्कि रणनीतिक कूटनीति का हिस्सा है। उन्होंने विकसित और विकासशील देशों, दोनों के विधायी मंचों पर भारत की लोकतांत्रिक विरासत, आर्थिक दृष्टि और वैश्विक सहयोग की भावना को साझा किया। मोदी की ओर से अन्य देशों की संसदों में दिये गये संबोधन को याद करें तो उन्होंने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद ऑस्ट्रेलिया, फिजी, भूटान, नेपाल की संसदों को संबोधित किया। साल 2015 में प्रधानमंत्री ने ब्रिटेन, श्रीलंका, मंगोलिया, अफगानिस्तान और मॉरीशस की संसद को संबोधित किया। साल 2016 में उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। 2018 में प्रधानमंत्री ने युगांडा और 2019 में मालदीव की संसद में अपना संबोधन दिया। 2023 में प्रधानमंत्री मोदी ने दूसरी बार अमेरिकी कांग्रेस में अपना संबोधन दिया और इसके साथ ही वह उन कुछ चुनिंदा वैश्विक हस्तियों में शुमार हो गये जिन्हें दो बार अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करने का गौरव हासिल हुआ है।

17 देशों की संसदों में संबोधन, 27 देशों से सर्वोच्च सम्मान, विश्व मंच पर मोदी का जादू बरकरार

(नीरज कुमार दुबे)

प्रधानमंत्री मोदी का संसदों में संबोधन केवल भाषण नहीं, बल्कि रणनीतिक कूटनीति का हिस्सा है। उन्होंने विकसित और विकासशील देशों, दोनों के विधायी मंचों पर भारत की लोकतांत्रिक विरासत, आर्थिक दृष्टि और वैश्विक सहयोग की भावना को साझा किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और वैश्विक नेतृत्व के क्षेत्र में भारत को एक नई ऊँचाई पर पहुंचा दिया है। जहां एक ओर उन्होंने अब तक 17 देशों की संसदों को संबोधित कर भारत की आवाज़ को विश्वमंच पर मुखर किया है, वहीं दूसरी ओर 27 देशों से प्राप्त सर्वोच्च नागरिक सम्मानों ने उन्हें दुनिया के सबसे सम्मानित और प्रभावशाली नेताओं में स्थान दिला दिया है। यह उपलब्धियाँ केवल व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि भारत की वैश्विक स्थिति की उन्नति का प्रतिबिंब हैं। प्रधानमंत्री मोदी का संसदों में संबोधन केवल भाषण नहीं, बल्कि रणनीतिक कूटनीति का हिस्सा है। उन्होंने विकसित और विकासशील देशों, दोनों के विधायी मंचों पर भारत की लोकतांत्रिक विरासत, आर्थिक दृष्टि और वैश्विक सहयोग की भावना को साझा किया। मोदी की ओर से अन्य देशों की संसदों में दिये गये संबोधन को याद करें तो उन्होंने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद ऑस्ट्रेलिया, फिजी, भूटान, नेपाल की संसदों को संबोधित किया। साल 2015 में प्रधानमंत्री ने ब्रिटेन, श्रीलंका, मंगोलिया, अफगानिस्तान और मॉरीशस की संसद को संबोधित किया। साल 2016 में उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। 2018 में प्रधानमंत्री ने युगांडा और 2019 में मालदीव की संसद में अपना संबोधन दिया। 2023 में प्रधानमंत्री मोदी ने दूसरी बार अमेरिकी कांग्रेस में अपना संबोधन दिया और इसके साथ ही वह उन कुछ चुनिंदा वैश्विक हस्तियों में शुमार हो गये जिन्हें दो बार अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करने का गौरव हासिल हुआ है। इसके बाद प्रधानमंत्री ने 2024 में गुयाना और 2025 में घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा नामीबिया की संसद को संबोधित किया। खास बात यह है कि 2025 में तीन देशों की संसदों में प्रधानमंत्री का संबोधन एक सप्ताह के भीतर हुआ है जोकि अपने आप में एक और कीर्तिमान है। इन सभी संबोधनों में भारत ने ग्लोबल साउथ, संयुक्त राष्ट्र सुधार, आतंकवाद विरोध, जलवायु न्याय और डिजिटल समावेशन जैसे मुद्दों पर स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। यह दर्शाता है कि भारत की सॉफ्ट पावर, अर्थव्यवस्था, लोकतंत्र और रणनीतिक संतुलनकारी भूमिका को विश्व स्वीकार कर रहा है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति पारंपरिक 'गुटनिरपेक्षता' से आगे जाकर 'बहुध्रुवीय मित्रता' पर आधारित है। उन्होंने पश्चिमी शक्तियों से रिश्ते गहरे किए, लेकिन साथ ही अफ्रीका, मध्य एशिया, खाड़ी देशों और दक्षिण अमेरिका में नए रणनीतिक संबंध भी बनाए। मोदी की यह अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि भारत की उभरती शक्ति, विचारधारा और नेतृत्व क्षमता की स्वीकार्यता है। उनका हर संसद में दिया गया संबोधन, हर प्राप्त सम्मान, भारत की लोकतांत्रिक आत्मा, विकासशील दृष्टिकोण और नैतिक शक्ति का प्रतीक है।

साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 17 देशों की संसदों को संबोधित करना और 27 देशों से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त करना, भारतीय विदेश नीति के इतिहास में एक अभूतपूर्व अध्याय है। यह दर्शाता है कि आज का भारत केवल सुनने वाला नहीं, बल्कि दुनिया को दिशा देने वाला देश बन चुका है। यह उपलब्धि भारतवासियों के आत्मविश्वास, आकांक्षाओं और अंतरराष्ट्रीय भूमिका को सशक्त करती है।

पीएम मोदी के उपहारों में झलकती है भारत की आत्मा

इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्व दौरों की चर्चा प्रायः उनकी रणनीतिक कूटनीति, वैश्विक नेतृत्व और द्विपक्षीय समझौतों के संदर्भ में होती है, किंतु इन यात्राओं में एक और विशेष पक्ष होता है जो चुपचाप भारत की आत्मा को विश्व के सामने प्रस्तुत करता है– वह है उनके द्वारा चयनित सांस्कृतिक उपहार। हम आपको बता दें कि हर दौरे में प्रधानमंत्री मोदी जिन विशिष्ट हस्तशिल्पों, कलाकृतियों और प्रतीकों को उपहार स्वरूप ले जाते हैं, वे केवल शिष्टाचार नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध परंपरा, बहुरंगी संस्कृति और आत्मनिर्भर कलात्मकता का परिचायक होते हैं। यह सांस्कृतिक कूटनीति भारत की सॉफ्ट पावर को सशक्त करने में निर्णायक भूमिका निभा रही है।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी जिन वस्तुओं को विदेशी राष्ट्राध्यक्षों को भेंट करते हैं, वे भारत के अलग-अलग राज्यों, जनजातियों, परंपराओं और शिल्प कलाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। प्रधानमंत्री मोदी के उपहार केवल भारत की कलाओं का प्रदर्शन नहीं, बल्कि संवाद का माध्यम भी हैं। प्रधानमंत्री के उपहार दर्शाते हैं कि भारत केवल तकनीक और व्यापार का केंद्र नहीं, बल्कि हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता का जीवंत प्रतिनिधि है। इन उपहारों के चर्चित होने से संबंधित हस्तशिल्प की मांग और मूल्य दोनों बढ़ते हैं। इसके अलावा, 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' की नीतियों को सांस्कृतिक स्तर पर मजबूती मिलती है।

प्रधानमंत्री मोदी और प्रवासी भारतीय समुदाय: इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब भी किसी देश की यात्रा पर जाते हैं, तो उनकी पहली प्राथमिकता होती है– वहाँ बसे भारतीय समुदाय से संवाद। यह मुलाकातें केवल भावनात्मक संबंधों का प्रदर्शन नहीं बल्कि नागरिक जुड़ाव का शक्तिशाली प्रतीक बन चुकी हैं। प्रवासी भारतीयों द्वारा अपने सांस्कृतिक प्रदर्शन, लोककला, संगीत और पारंपरिक वेशभूषा के माध्यम से जो दृश्य निर्मित होता है, वह विश्व के सामने भारत की एकता में विविधता और सजीव परंपरा का संदेश देता है। प्रधानमंत्री मोदी जब इन समुदायों से मिलते हैं, तो वह यह स्पष्ट करते हैं कि वे भारत के गौरव के वाहक हैं, वे भारत और दुनिया के बीच सांस्कृतिक पुल हैं और वे भारत की सॉफ्ट पावर के सशक्त स्रोत हैं। प्रधानमंत्री मोदी की प्रत्येक विदेश यात्रा में भारतीय समुदाय द्वारा प्रस्तुत नृत्य, संगीत, भजन, पारंपरिक वेशभूषा में स्वागत, भाषणों में भारत माता की जय घोष, आदि केवल रस्म अदायगी नहीं होती, बल्कि ये दिखाते हैं कि भारत कहीं भी जाए, अपनी संस्कृति को जीवंत रखता है, भारत की परंपरा आधुनिकता के साथ सह-अस्तित्व में है और भारत की 'संवेदनशीलता' और 'संपर्क' की नीति भावनात्मक संबंधों पर आधारित है।

प्रधानमंत्री मोदी का भारतीय समुदाय से संवाद और प्रवासी भारतीयों का उनके समक्ष अपनी संस्कृति का प्रदर्शन, एक सशक्त और गहरा वैश्विक संदेश देता है कि भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि एक संस्कार, विचार और परंपरा है, जो सीमाओं से परे जाकर भी जीवित रहती है। यह %एक भारत, वैश्विक भारत% की संकल्पना को मजबूत करता है और दुनिया को बताता है कि भारत एक ऐसे राष्ट्र के रूप में उभर रहा है जिसकी मूल्य आधारित कूटनीति, संस्कृति आधारित संवाद और नागरिक भागीदारी आधारित पहचान है। बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय विदेश नीति को पारंपरिक निष्क्रियता से निकाल कर सक्रिय, निर्णायक और बहुआयामी कूटनीति का रूप दिया है। उनकी रणनीति केवल राजनयिक संवादों तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने भारत को एक निर्णायक और आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है।

भाषाई राजदूत मध्यप्रदेश

प्रो.मनोज कुमार

मध्यप्रदेश के भौगोलिक गठन को लेकर निराश होता था. लगता था कि देश का ह्दयप्रदेश कहलाने वाले मध्यप्रदेश की कोई एक भाषा, एक संस्कृति नहीं है. यहाँ तक कि दो दशक पहले मध्यप्रदेश से अलग हुए छत्तीसगढ़ की भाषा छत्तीसगढ़ी है. लेकिन आज लग रहा है कि मेरा मध्यप्रदेश सचमुच में अनुपम है. अलग है और एक धड़कते दिल की तरह वह भारत का प्रतिनिधि प्रदेश है. यहाँ भाषा और संस्कृति को लेकर कोई विवाद नहीं है. वह बाँहें पसारे खुले मन से सबका स्वागत कर रहा है. यह प्रदेश भावभूमि है. यहाँ देश के सभी प्रदेशों के भाषा-भाषी निवास करते हैं. उनकी संस्कृति और संस्कार को मध्यप्रदेश के रहने वाले स्वागत करते हैं. सच कहा जाए तो देश दिल मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश का मुआयना करें तो आपको कई रीजन मिलेंगे. इनमें मालवा, महाकोशल, विंध्य, बुंदेलखंड, चंबल और कभी छत्तीसगढ़ भी इसका हिस्सा हुआ करता था. अपनी स्थापना के सात दशक बाद भी कभी यहाँ भाषा विवाद सुलगा नहीं और ना ही संस्कृति को लेकर कोई विवाद हुआ. बहुभाषी साहित्य को जितना बड़ा मंच मध्यप्रदेश में मिला, वह कहीं और नहीं. भारत के इस प्रतिनिधि प्रदेश में हर प्रदेश का स्वागत है. भरोसा ना हो तो एक बार भारत भवन के आयोजन का कैलेंडर उठा कर देख लीजिए. प्रतिवर्ष देश के सभी राज्यों की कलाओं का प्रदर्शन होता है, भागीदारी होती है.

भाषा और संस्कृति का राजदूत है. आज जब भाषा विवाद चरम पर है तब मध्यप्रदेश मुस्करा रहा है. शायद वह कह रहा है कि आओ, मुझसे सीखो कि भारत की बहुभाषी और संस्कृति को कैसे सम्मान दिया जाता है. पंडित नेहरू ने कभी मध्यप्रदेश को बेडौल प्रदेश कहा था लेकिन इसी बेडौल भू-भाग वाला मध्यप्रदेश भारत का आदर्श प्रदेश के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है.

मध्यप्रदेश का मुआयना करें तो आपको कई रीजन मिलेंगे. इनमें मालवा, महाकोशल, विंध्य, बुंदेलखंड, चंबल और कभी छत्तीसगढ़ भी इसका हिस्सा हुआ करता था. अपनी स्थापना के सात दशक बाद भी कभी यहाँ भाषा विवाद सुलगा नहीं और ना ही संस्कृति को लेकर कोई विवाद हुआ. बहुभाषी साहित्य को जितना बड़ा मंच मध्यप्रदेश में मिला, वह कहीं और नहीं. भारत के इस प्रतिनिधि प्रदेश में हर प्रदेश का स्वागत है. भरोसा ना हो तो एक बार भारत भवन के आयोजन का कैलेंडर उठा कर देख लीजिए. प्रतिवर्ष देश के सभी राज्यों की कलाओं का प्रदर्शन होता है, भागीदारी होती है. विविध भाषाओं के साहित्य पर चर्चा होती है. यही नहीं, मध्यप्रदेश की साहित्यिक सांस्कृतिक संगठन में हर भाषा को स्थान दिया गया है. मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद में मराठी, सिंधी, पंजाबी, भोजपुरी अकादमी है तो मध्यप्रदेश ने माँग की कि हम सिंधी की शिक्षा देंगे तो हाल ही में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में इस पाठ्यक्रम की अनुमति मिल गई और जल्द ही औपचारिक शिक्षा भी शुरू हो जाएगी. देश के ह्दयप्रदेश का ह्दय हर प्रदेश के लिए धड़कता है और यही कारण है कि मध्यप्रदेश राजभवन में एक-एक कर विभिन्न राज्यों का स्थापना दिवस उत्सव मनाया जाता है.

भारत देश बहुभाषी संस्कृति और साहित्य का देश है. भाषा और बोली की यह खूबसूरती है कि हम सब मिलकर सतरंगी दुनिया गढ़ते हैं. गर्व के साथ मैं कह सकता हूँ कि मध्यप्रदेश भारत की इस छवि का प्रतिनिधि प्रदेश है. राजदूत है जो शांति, समन्वय और सद्भाव के संदेश को भेजता है. राज्य सरकार के अथक कोशिश से मध्यप्रदेश में लगातार फिल्मों, टीवी सीरियल्स और ओटीटी प्लेटफार्म के लिए निर्माण हो रहा है. इमदाद और मदद दोनों फिल्ममेकर्स को मिल रहा है लेकिन परदे पर कहीं एक पंक्ति नहीं दिखता 'धन्यवाद मध्यप्रदेश', बावजूद इसके हम उनका हमेशा से स्वागत करने तिलक रोरी लिए खड़े होते हैं. वर्तमान सरकार तो पीले चावल लेकर प्रदेश-दर-प्रदेश जा रही है कि आइए, हमारे प्रदेश में उद्योग लगाइए. मध्यप्रदेश इतना कर रहा है लेकिन सवाल है कि क्या मध्यप्रदेश जैसी सुंदर, सुखद पहल कोई और कर रहा है? क्या हम सब भारत माता के लाल नहीं हैं? इस पर विचार करना जरूरी हो जाता है.

देश में छिड़ा भाषा विवाद नया नहीं है. समय-समय पर यह विवाद होता रहा है. इसमें सबसे अहम बात यह है कि भाषा का विरोध अर्थात हिन्दी का विरोध. हर प्रदेश की एक भाषा है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए, इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती है. इसी बहुभाषी संस्कृति से भारत की विश्व में अलग पहचान है. भाषा विवाद के संकट बड़े हैं. वह ना केवल राष्ट्रीय एकता और संप्रभता को संकट में डालता है बल्कि रोजी-रोजगार पर भी असर होता है. इस विवाद में एक उपाय यह भी हो सकता है कि आक्रामक होने के बजाय भाषा प्रशिक्षण केन्द्र हर राज्य में आरंभ कर दे. जिन्हें यह भाषा नहीं आती, उन्हें सीखने और समझने का अवसर दे. इससे शायद कोई रास्ता सुंदर निकल आए. रास्ता ना सही, एक पगडंडी तो मिल ही जाएगी. वैसे भी हिन्दी की

बढ़ती आबादी के निरंतर बढ़ते खतरे

बढ़ती जनसंख्या के कारण ही देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वास्तविकता यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल हो ही नहीं सकती थी। आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 प्रतिशत आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है।

(योगेश कुमार गोयल)

बढ़ती जनसंख्या के कारण ही देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वास्तविकता यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल हो ही नहीं सकती थी।

जनसंख्या संबंधित समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को 'विश्व जनसंख्या दिवस' मनाया जाता है। भारत के संदर्भ में देखें तो तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों को पहुंचाने में पिछड़ रहे हैं। बढ़ती आबादी की वजह से ही देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो चुकी है। हालांकि विगत दशकों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए गए लेकिन बढ़ती आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम 'ऊंट के मुंह में जीरा' ही साबित हुए। बढ़ती जनसंख्या के कारण ही देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वास्तविकता यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल हो ही नहीं सकती थी।

आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 प्रतिशत आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है। इसलिए जनसंख्या

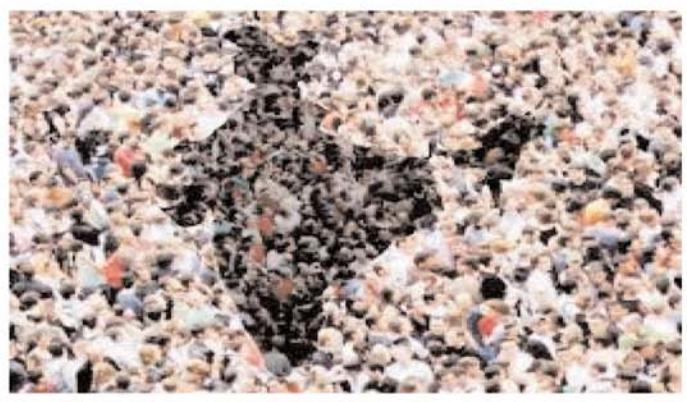

नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे ऐसे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए क्योंकि जब तक इस कार्यक्रम में इन लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है। देश में जनसंख्या वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पिछले काफी समय से कुछ कड़े कानून बनाने की मांग हो रही है लेकिन इस दिशा में कुछ राज्य सरकारें दो से ज्यादा बच्चों वाले परिवारों को सरकारी नौकरी तथा स्थानीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारी से अयोग्य अघोषित करने जैसे जिस तरह के उपायों पर विचार कर रही हैं, उन्हें तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। हालांकि जनसंख्या वृद्धि मौजूदा समय में गंभीर चुनौती है लेकिन ऐसे उपायों को संवैधानिक नजरिये से भी तर्कसम्मत नहीं माना जाता। चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था बल्कि सजा भी दी जाती थी लेकिन वहां यह नीति सफल नहीं हुई। इसीलिए चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर दो बच्चों की अनुमति दी और बाद में तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। चीन की तानाशाही सरकार द्वारा नीतियों में बड़ा बदलाव करते हुए दम्पत्तियों को तीन बच्चे करने की अनुमति क्यों दी गई, इसके कारण समझना भी जरूरी है। दरअसल वहां लोगों की सामान्य प्रजनन दर में निरन्तर गिरावट आ रही है और कुछ विशेषज्ञों के मुताबिक यही स्थिति भारत में भी होनी है। जनसंख्या में स्थायित्व और कामकाजी युवाओं की स्थिर संख्या के लिए महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए और चीन में यह दर निरन्तर गिर रही है। 1970 में चीन में यह दर 5.8 थी, जो 2015 में घटकर 1.6 और 2020 में केवल 1.3 ही रह गई जबकि बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ती गई। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स (एनबीएस) के अनुसार आने वाले समय में आबादी में अधिक उम्र वालों की संख्या बढ़ने से संतुलित विकास और जनसंख्या को लेकर दबाव बढ़ेगा। 1982 में हुई जनगणना में चीन की जनसंख्या में 2.1 फीसदी की सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई थी लेकिन उसके बाद जनसंख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई, जिसके लिए वहां की कम्युनिस्ट सरकार द्वारा अपनाई गई दशकों पुरानी 'वन चाइल्ड पॉलिसी' को जिम्मेदार माना जाता है। विगत एक दशक में चीन की जनसंख्या करीब सात करोड़ बढ़ी लेकिन बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से चीन के लिए अलग ही समस्या उत्पन्न होने लगी है। दरअसल चीन को आशंका है कि अगले दस वर्षों में उसकी जनसंख्या में गिरावट आएगी, जिससे कामगारों की संख्या में कमी आने से उसकी खपत भी घटेगी। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन को जिन जनसांख्यिकीय संकट का सामना करना पड़ा था, वह और गहरा होने की उम्मीद थी, इसीलिए चीन को अपनी जनसंख्या नीति में बदलाव करने पर विवश होना पड़ा।

जहां तक भारत की बात है तो यहां 1994 में महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 3.4 थी, जो घटकर 2015 में 2.2 रह गई थी यानी सामान्य के करीब। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत की जनसंख्या 2050 तक बढ़ने के बाद से गिरनी शुरू हो जाएगी और 2100 तक पहुंचते-पहुंचते सामान्य प्रजनन दर केवल 1.3 ही रह जाएगी। इसका अर्थ है कि तब अधिकांश परिवारों में केवल एक ही बच्चा होगा और भारत उसी स्थिति में खड़ा होगा, जिसमें वन चाइल्ड पॉलिसी के बाद चीन खड़ा हुआ और उसे विगत सात वर्षों में दो बार अपनी जनसंख्या नीति में बड़ा परिवर्तन करना पड़ा। इसलिए टू चाइल्ड पॉलिसी जैसे कानूनों के जरिये जनसंख्या नियंत्रण की कोशिशों को व्यावहारिक नहीं माना जा रहा बल्कि इसके लिए डराने-धमकाने वाले कानूनों के बजाय लोगों में जागरूकता पैदा किया जाना सबसे जरूरी है।

सीआरपीएफ196 बटालियन बनी मानवता की मिसाल - ग्रामीणों को बाँटे रेडियो, आधार-राशन कार्ड और खोले गए बैंक खात

बीजापुर /मूक पत्रिका

- जिले के अति संवेदनशील इलाकों में तैनात सीआरपीएफ की 196वीं बटालियन ने एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश की है। ग्रामीणों का भरोसा जीतने और उनकी जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों ग्रामीणों को राहत और सुविधाएं प्रदान की गई।

दिनांक 11 जुलाई 2025 को आयोजित इस कार्यक्रम में आईजी राकेश अग्रवाल और डीआईजी बी.एस. नेगी के मार्गदर्शन में, कमांडेंट कुमार मनीष के नेतृत्व में सीआरपीएफ और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने ग्रामीणों को ÷मन की बात÷ कार्यक्रम सुनने के लिए रेडियो बांटे। रेडियो के माध्यम से अब ग्रामीण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।इस अवसर पर ग्रामीणों के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, पेंशन कार्ड बनवाने की व्यवस्था की गई, साथ ही एसबीआई बैंक में खाते भी खोले गए।

ग्रामीणों ने बताया कि अब तक इन कार्यों के लिए उन्हें शहर तक जाना पड़ता था, लेकिन इस शिविर ने उनकी बड़ी समस्याओं को गांव में ही हल कर दिया।

प्रशासन का भरोसा ङ्क हर कदम पर आपके साथ-कमांडेंट कुमार मनीष ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि, ÷सीआरपीएफ न केवल सुरक्षा बल्कि समाजिक विकास में भी आपकी भागीदार है। कोई भी समस्या हो, सीआरपीएफ आपके साथ है।÷उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे नक्सलियों के बहकावे में न आएं, और अपने बच्चों को शिक्षा दिलाकर उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ें। साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर एकजुट होकर विकास में भागीदारी निभाएं।

शिविर में उपस्थित भूपेंद्र कुमार गँवारे ङ्क एस.डी.एम., उसूर,गोपाल सिंह बुनकर ङ्क द्वितीय कमान अधिकारी,लोकेश कुमार ङ्क सहायक कमांडेंट तथा उसूर ब्लॉक के अन्य अधिकारी और स्टाफ मौजूद रहे।सीआरपीएफ 196 बटालियन की यह पहल न केवल जनसेवा की प्रेरक मिसाल है, बल्कि यह साबित करती है कि सुरक्षा बल सिर्फ बंदूक ही नहीं, बल्कि विकास की धारा भी लेकर चलते हैं। ग्रामीणों ने इस शिविर के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया और इसे भविष्य के लिए आशा की किरण बताया।

पहुंच विहीन सडक के कारण फिर एक वृद्ध महिला की गई जान

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

एक ओर शासन प्रशासन हर गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने कि बात करती है, जिले भर में प्रधानमंत्री सड़क से हर गांव को जोड़ने का डिंडोरा पीटती है। वहीं दूसरी और स्थिति इसके बिलकुल विपरीत है जिले अंदरुनी क्षेत्र में पहुंच विहीन सडक के कारण फिर एक वृद्ध महिला की गई जान कमारगुडा निवासी बंडी मुरियामी बीते 6 दिनों से बीमार थी, सड़क की बदहाल स्थिति होने के कारण परिवार के सदस्यो ने उसे 20 किलोमीटर का सफर पैदल तय करवा कर नहाड़ी पटेल पारा लाये। तब जाकर संजीवनी 108 से संपर्क हो पाया, अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए उबड़ - खबड़ रास्तो को पार कर 108 की टीम ने मरीज को जिला हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरो के प्रयास के बाद भी मरीज को नहीं बचाया जा सका । अब सवाल यह उठता आजादी के दशको के बाद भी बस्तर के अधिकांश जगह पहुंचविहीन क्यों है?देश की नौरत्न कंपनियों मे से एक ह्रस्ष्ट्र दंतेवाड़ा जिले मे है, जिसकी सालाना कमाई हजारों करोड़ से अधिक है, वावजूद स्तिथि इतनी दयनीय क्यों है? हम चाँद तक तो पहुंच गए किन्तु आज पर्यंत बस्तर के अंदरूनी इलाकों मे एक सडक तक क्यों नहीं मुहैया करवा पाए है? असमय हो रहे इस प्रकार के मौतो का जिम्मेदार कौन है। शासन प्रशासन को सिर्फ कागजों में ही जिले को हर मार्ग जुड़ा हुआ बताया जा रहा है वास्तव में इसे धरातल पर सही रूप से अमली जामा पहनाया जाए ताकि आए दिन किसी गरीब की जान जान पर ना बन आए। देखना लाज़मी होगा कि पी एम जी एस वाई कब तलक इस ओर ध्यान केंद्रित करता है।

कर्तव्य से अनुपस्थित 09 शिक्षकों सहित 03 भृत्यों को शो-कॉज नोटिस जारी

जगदलपुर /मूक पत्रिका

कलेक्टर हरिस एस के निर्देशानुसार जिले में शैक्षणिक गतिविधियों को नियमित तौर पर सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के तहत जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल ने शनिवार को सुबह जिले के बास्तानार एवं तोकापाल विकासखण्ड के विभिन्न स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तोकापाल ब्लॉक के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मावलीभाटा का औचक निरीक्षण में कर्तव्य से अनुपस्थित 09 शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित 03 भृत्यों को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिवस के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर समाधान कारक जवाब प्रस्तुत किए जाने के निर्देश दिए हैं। जिसके तहत शनिवार सुबह 7.40 बजे हायर सेकंडरी स्कूल मावलीभाटा के निरीक्षण में व्याख्याता नियमित नगेश कुमार दास सहित व्याख्याता एलबी लोकेश कुमार नाग, श्रीमती गेंदकुमारी तिवारी, कुमारी पूजा ठाकुर,श्रीमती अंशुमाला मिंज और नियमित शिक्षक उग्रेश कुमार सोरी, शिक्षक एलबी शराधाकृष्ण ध्रुव, श्रीमती दुतिका कश्यप एवं श्रीमती अनिता ठाकुर तथा भृत्य श्रीमती बुधमनी बघेल, श्रीमती दीपिका सेठिया व सुश्री चन्द्रकला बघेल को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। डीईओ ने जारी कारण बताओ नोटिस में इन सभी को निर्देशित किया है कि विद्यालय के निरीक्षण के दौरान निर्धारित शाला संचालन समय पर अनुपस्थिति अपने कर्तव्य के प्रति उदासीनता का द्योतक है एवं सिविल सेवा आचरण अधिनियम 1965 के नियम के सर्वथा विपरित है। अतएव क्यों न इस कृत्य के लिए सम्बंधित के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की प्रक्रिया की जाए। अतः उक्त संबंध में अपना स्पष्टीकरण तीन दिवस के भीतर सम्बंधित स्वयं अधोहस्ताक्षकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। स्पष्टीकरण समाधानकारक नहीं होने अथवा निर्धारित समयावधि में प्रस्तुत नहीं होने की स्थिति में की जाने वाली अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु सम्बंधित स्वयं जिम्मेदार होंगे।

इनरव्हील क्लब द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस पर महिलाओ को स्किल डेवलपमेंट हेतु किया जाएगा वर्कशॉप

महिलाएं समाज में अपना योगदान देकर एक बेहतर राष्ट्र के निर्माण में अपना सहयोग दे सके -लाइबा चामड़िया

जगदलपुर /मूक पत्रिका

इनरव्हील क्लब जगदलपुर द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष में महिलाओ को स्किल डेवलपमेंट में सक्षम बनाने के उद्देश्य से पार्टी मेकअप एवं ग्रूमिंग की वर्कशॉप आयोजित की जाएगी। इस वर्कशॉप में जगदलपुर की प्रसिद्ध ब्यूटिशियन पूजा भाटिया द्वारा महिलाओ को पार्टी मेकअप एवं ग्रूमिंग की सम्पूर्ण जानकारी और लाइव मेकअप मॉडल पर डेमो दिया जायेगा। क्लब की सचिव प्रीती आज़ाद द्वारा जानकारी दी गयी कि वर्कशॉप 22 जुलाई को शाम 04 बजे से 06 बजे तक होटल -अविनाश इंटरनेशनल के कलिंगा हॉल में आयोजित किया जायेगा जिसका पंजीयन सीमित रहेगा और 21 जुलाई तक खुला रहेगा और पंजीयन शुल्क मात्र 499 का होगा जिसमे इनरव्हील क्लब द्वारा सर्टिफिकेट ऑफ़ पार्टिसिपेशन दिया जायेगा और कार्यक्रम उपरांत सभी पार्टिसिपेंट्स के लिए हाई-टी की व्यवस्था रहेगी।कार्यक्रम के अधिक जानकारी इच्छुक 9174477922 एवं 7987622708 पर कर सकते है क्लब की अध्यक्ष लाईबा चामड़िया द्वारा जानकारी दी गई की इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य महिलाओ में स्वरोजगार और कौशल विकास से सशक्तिकरण प्रदान करना है ताकि महिलाये भी समाज में अपना योगदान देकर एक बेहतर राष्ट्र के निर्माण में अपना सहयोग दे सके।

आस्था निकुंज वृद्धाश्रम की बुजुर्ग महिलाओं ने किया चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण

जगदलपुर /मूक पत्रिका

कलेक्टर हरीश एस के निर्देश पर रविवार को रेडक्रास आस्था निकुंज वृद्धाश्रम के बुजुर्ग महिलाओं को चित्रकोट वाटर फॉल भ्रमण कराया गया। चित्रकोट जलप्रपात का दर्शन कर बुजुर्ग महिलाओं ने खुशी जाहिर करते हुए कलेक्टर हरिस तथा रेडक्रास के सभी सदस्यों को आशीर्वाद दिया। 98 वर्षीय रामबती 95 वर्षीय सोनदई सहित गीता, शांति , राधा, दसरी , सोनी, सोनादाई, पार्वती, गागरी, राजू बाला ने चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण किया। प्रबंधक अनिल देवांगन , कु प्रिया, वर्षा, ज्योति, सविता, इंतेंद्र, रितेश सेठिया, डिप्टी डायरेक्टर सुचित्रा मिंज, तहसीलदार कैलाश पोयम, संतोष एस, विवेक सिंह, उपाध्यक्ष अलेक्जेंडर आदि ने बुजुर्ग महिलाओं के इस भ्रमण में सहयोग किया।

शिक्षा विभाग में चल रहा है मन मौजी सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की जीवन अंधकार में

लगभग एक महीने से शिक्षक छुट्टी मना रहा है, अनुमति के बिना, और शिक्षा विभाग को भनक तक नहीं

सिंगनपुर स्कूल के शिक्षकों को नहीं रहा उच्च अधिकारियों का डर

धमतरी /मूक पत्रिका

जिले के अंतिम छोर में बसा गांव सिंगनपुर, जहां का शा. प्राथमिक शाला में एक ही प्रधान पाठक के होने के वजह से पढ़ाई का स्तर काफी निम्न बताया जा रहा है। युक्तिकरण के चलते 18 जून को नए शिक्षक भोजराम साहू की पदस्थापना सिंगनपुर स्कूल में हुई है ।

पदस्थापना होने के पश्चात शिक्षक महोदय ऐसे गायब हो गए स्कूल से, जैसे ईद के बाद चांद। बस उनका उपस्थिति मात्र 18 जून को ही नजर आ रहा है ,उसके पश्चात् 19 जून से 22 जून तक वे अनुपस्थित हैं। उसके बाद 23 जून को आते हैं और मेडिकल का बहाना बना कर लिखित आवेदन थमा कर चलते बनते हैं । लिखित आवेदन में उनके द्वारा 23 जून से 7 जुलाई तक की छुट्टी की मांग किया जाता है। भोजराम इतने जल्दी में थे कि आवेदन स्वीकार होने की प्रतीक्षा भी नहीं कर पाए। अब आवेदन का कॉपी संकुल समन्वयक को 3 जुलाई को प्राप्त होती है, और संकुल समन्वयक आवेदन को खंड शिक्षा अधिकारी को 3 जुलाई को ही सौंपता है। अधिकारी द्वारा आवेदन अस्वीकार कर दिया जाता है। भोजराम साहू को इस बात का पता चलने के बाद भी उनका कोई प्रतिक्रिया नहीं आता है । उनकी छुट्टी में किसी प्रकार की रुकावट नहीं हुई अब तक। शिक्षा विभाग की बड़ी लापरवाही यह है की, सिंगनपुर जैसे क्षेत्र में विद्यालयों की निरीक्षण नहीं होती। वहां के बच्चों से पूछताछ करने पे पता चला कि कभी कभी स्कूल अनावश्यक कारण से भी बंद रहता है । और कभी भी छुट्टी हो जाती हैं । अब इससे तो स्पष्ट नजर आता है कि शिक्षा को लेकर शिक्षा विभाग कितना गंभीर है ।

खदान मजदूर संघ किरंदुल द्वारा नए परियोजना प्रमुख का किया गया आत्मीय स्वागत

किरंदुल /मूक पत्रिका

विश्व की सबसे बड़ी ट्रेड यूनियन भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध खदान मजदूर संघ शाखा किरंदुल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा एनएमडीसी लिमिटेड किरंदुल कॉम्पलेक्स के नए परियोजना प्रमुख के दायित्व पर कार्यभार ग्रहण करने पर अधिशासी निदेशक रवीन्द्र नारायण एवं मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन) के.पी. सिंह का आत्मीय स्वागत अभिनंदन किया गया तथा बधाई एवं शुभकामनायें दी गई। श्रमिक संघ द्वारा भारतीय परम्परानुसार पुष्पमाला, शाल एवं श्रीफल से अभिनंदन किया गया। अध्यक्ष बी. दिल्ली राव, सचिव महेंद्र कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रहित, उद्योगहित एवं श्रमिक हित के ध्येय वाक्य के साथ सदैव ही तत्पर रहने वाली श्रमिक संघ द्वारा परियोजना हित में कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करने की बातें कही गई तथा नवीन दायित्व निर्वहन एवं कम्पनी के उत्तरोत्तर प्रगति हेतु शुभकामनायें दी गई तथा परस्पर सहयोग एवं सामंजस्य से नित नवीन कीर्तिमान स्थापित करने हेतु सदैव ही अग्रणी रहने संबंधी विचारों की अभिव्यक्ति की गई। इस अवसर पर यूनियन के पदाधिकारी राजेंद्र यादव, दानेश्वर जोशी, लिशांष सिँह, बसंत कुमार, सुधा, सूरमा, नितेश उपस्थित थे।

विष्णुदेव साय सरकार व स्थानीय मंत्री की छवि धुमिल करने अधिकारियों ने नहीं छोड़ी कोई कसर ...

कैबिनेट मंत्री दयालदास बघेल के निज विधानसभा नवागढ़ में अजब गजब का खेल...

नवागढ़ जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत अमोरा का मामला

बिना स्वीकृति सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने का आदेश देने वाला तकनीकी सहायक बर्खास्त, सचिव हुए निलंबित

भ्रष्ट अधिकारी को बचाने कुछ कथित लोगों ने लिया है ठेका अब देखने वाली बात यह होगी की मंत्री को बदनाम कर कैसे बच पाएगा भ्रष्टाचारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

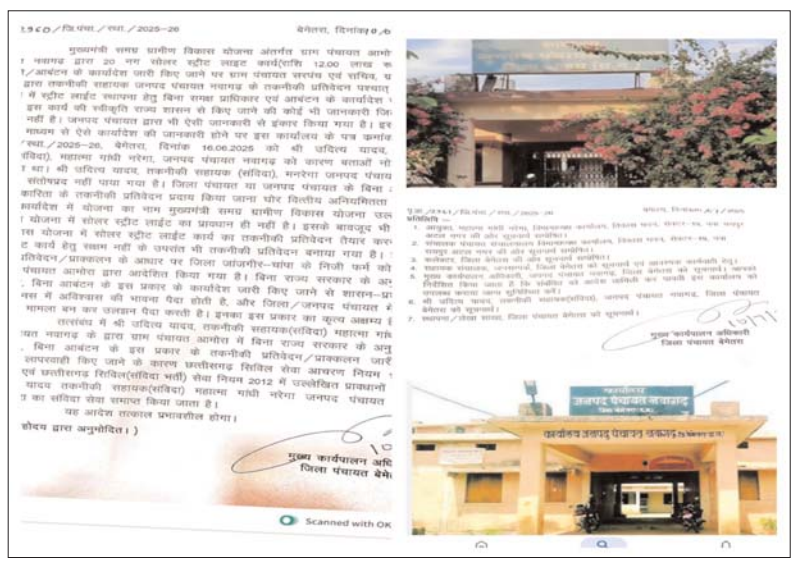

साय सरकार व कैबिनेट मंत्री व स्थानीय विधायक दयालदास बघेल विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं वही दूसरी ओर मंत्री को बदनाम करने वाले की हौसले बुलंद होते नजर आ रहा है नतिजन इतनी बढ़ी भ्रष्टाचार करने के बाद भी अपने आप को सुरक्षित रखने के लिए कुछ कथित लेने वाले के लिए इशारा ही काफी है वे नवागढ़ मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत अमोरा ने बीस नग सोलर लाइट लागत बारह लाख से लगाने बिना स्वीकृति जांजगीर चांपा के निजी फर्म को कार्य आदेश किए जाने के आरोप में कलेक्टर के अनुमोदन के बाद सीईओ जिला पंचायत ने मनरेगा शाखा नवागढ़ में पदस्थ तकनीकी सहायक उदित्य यादव को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। जांच में यह बात सामने आई कि मुख्य मंत्री समग्र विकास योजना के नाम पर किसी भी सक्षम अधिकारी से बिना सलाह लिए अपने अधिकार क्षेत्र से परे जाकर बिना वित्तीय स्वीकृति तकनीकी सहायक ने सोलर लाइट का प्रतिवेदन तैयार कर दिया। तकनीकी सहायक के इस कृत्य से विभाग के सामने भुगतान संकट के साथ छबि पर विनीत असर पड़ने की प्रबल संभावना थी। राज्य सरकार द्वारा ऐसा कोई आदेश नहीं है जिससे इस योजना से सोलर लाइट लगाया जा सके।

सरपंच के खिलाफकार्रवाई करने एसडीएम को भेजा गया पत्र

ग्राम पंचायत अमीरा के पंचायत सचिव को पहले ही विभाग ने निलंबित कर दिया है तथा सीईओ जिला पंचायत ने सरपंच के खिलाफ कार्रवाई के लिए एसडीएम को पत्र भेजा है। जानकारों की माने तो जिले में लगभग डेढ़ दर्जन से अधिक ग्राम पंचायत ने सोलर लाइट का प्रस्ताव दिया है।

पूर्व सरकार के कार्यकाल में ग्राम पंचायतों में यही खेल हुआ था। पत्रिका ने कल पुर्जा हिलने, अकेले में मिलने की खबर प्रकाशित की तो ठेकेदार पाइप छोड़कर पलायन कर गया। आज भी कई गांव फी में रोशन हो रहे हैं। ग्राम पंचायत तेंदुआ की तत्कालीन सरपंच को भुगतान करना महंगा पड़ा था। वर्तमान में मुख्य दलाल कौन है जिसके चलते सोलर लाइट लगाने वाले ब्लाक में प्रवेश किए इसकी पहचान जरूरी है। जिले में बलाली की सीमा पार कर कुछ लोग ग्राम पंचायत को मोहरा बनाकर लुटना चाह रहे थे जिनका मंसूबा सफल नहीं हो पाएगा। ग्राम पंचायत को आम लोगों के सामने समय-समय पर जानकारी सार्वजनिक करना पड़ता है। ग्राम पंचायत में एक पंच के हिसाब जिले में कई योजनाओं की राशि में ग्राम पंचायतों को खाया पिया कुछ नहीं हिसाब पूरे का देना है वाली बात का खुलासा किया हाला की उस बातों बताने से पहले हमसे शर्तें रखकर नाम गोपनीय बनाए रखने की बात पर यह बात को जाहिर किया है।

दो पर कार्यवाही,बाकी पर भी जल्द होगी एंक्शन

जिला पंचायत सीईओ टीसी अग्रवाल ने बताया कि बिना अनुमति अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर, मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के नाम पर प्रतिवेदन तैयार करने वाले तकनीकी सहायक उदित्य यादव को सेवा से बखस्ति कर दिया गया है। ग्राम पंचायत अमीरा के पंचायत सचिव को पहले ही निलंबित किया जा चुका है। सरपंच के लिए एसडीएम को पत्र भेजा गया है। अग्रवाल ने कहा कि इस तरह के जितने प्रस्ताव जिन लोगों ने दिया है सभी के खिलाफकार्रवाई होगी, जानकारी मंगाई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

धर्मगुरु दलाई लामा के जन्मदिन पर जर्मनी में उत्सव

लंदन, एजेंसी। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा का 90वां जन्मदिन जर्मनी और तिब्बती समुदाय एक साथ मना रहे हैं। फ्रैंकफर्ट में 1,000 से अधिक तिब्बती समारोह में एकत्रित हुए। कार्यक्रम मुख्य अतिथि जर्मन बुंडेस्टाग के सदस्य माइकल ब्रांड और विशिष्ट अतिथि हेस्से के पूर्व मंत्री राष्ट्रपति प्रो. डॉ. एचसी रोलैंड कोच और जिनेवा स्थित तिब्बती ब्यूरो के संयुक्त राष्ट्र अधिवक्ता अधिकारी फुंत्सोक तोपग्याल की उपस्थिति में आयोजित किया गया। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के अनुसार, हेसियन राज्य चांसलरी के प्रोटोकॉल अधिकारी, डाइटर बेइन, फ्रेंड्स ऑफ फ्रेंड्स समूह के अध्यक्ष फ्रैंक और उवे बेकर और पूरे जर्मनी में तिब्बती धर्म केंद्रों और तिब्बत समर्थक समूहों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। शुरुआत में भिक्षुओं और समुदाय के सदस्यों द्वारा पारंपरिक प्रार्थनाओं के साथ हुई। तिब्बती संडे स्कूल के बच्चों ने गीत प्रस्तुत किए। इस दौरान अहिंसा, मानवाधिकारों व धार्मिक सद्भाव के प्रति प्रतिबद्धता जताई गई।

अनिश्चितकालीन छुट्टी पर अटलांटा यूनाइटेड के प्रेसिडेंट और सीईओ गार्थ लेगरवे

अटलांटा, एजेंसी। अटलांटा यूनाइटेड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी गार्थ लेगरवे कैंसर का इलाज करा रहे हैं और इसी कारण उन्होंने अनिश्चितकाल के लिए छुट्टी ले ली है। क्लब ने गुरुवार को यह जानकारी दी और बताया कि उनके पूरी तरह ठीक होने की उम्मीद है, जो एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि, उनकी वापसी की कोई निश्चित तारीख तय नहीं की गई है। क्लब के मालिक और चेयरमैन आर्थर एम. ब्लैंक ने एक बयान में कहा, गार्थ की मजबूत इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच उन्हें एक बेहतरीन लीडर बनाती है। हमें पूरा भरोसा है कि वे इस मुश्किल समय को भी मजबूती से पार करेंगे।

सेनेगल की नौसेना ने 201 प्रवासियों को पकड़ा

डाकर , एजेंसी। सेनेगल की नौसेना ने बुधवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 201 पश्चिम अफ्रीकी प्रवासियों को गिरफ्तार किया, जो अटलांटिक महासागर के रास्ते यूरोप जाने की कोशिश कर रहे थे। यह कार्रवाई देश के पश्चिमी हिस्से के फाउंडियूग्ने इलाके में की गई। सेनेगल की सेना ने अपने बयान में बताया कि इनमें से 69 लोगों को जमीन पर पकड़ा गया, जबकि 132 लोगों को एक छोटी लकड़ी की नाव (पिरोग) में सलूम डेल्टा के पास मंगलवार शाम को रोका गया।

मानवाधिकार हनन के लिए पेरू के नए माफी कानून से गुस्सा, अंतरराष्ट्रीय अपील

लीमा, एजेंसी। पेरू के सशस्त्र संघर्ष के दौरान मानवाधिकार हनन के पीड़ितों के वकीलों ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय निकायों से अपील की कि वे देश की कांग्रेस द्वारा पिछली रात पारित किए गए माफी कानून को रद्द कर दें। कांग्रेस ने बुधवार देर रात 1980 से 2000 के बीच देश के सशस्त्र संघर्ष के दौरान गंभीर मानवाधिकार हनन के लिए अभियोजित सैन्य सदस्यों और नागरिकों को माफी प्रदान करने के लिए विधेयक पारित किया। मानवाधिकार संगठनों के एक गठबंधन ने कहा कि नया कानून 156 दोषसिद्धियों तथा 600 अन्य मामलों को समाप्त कर सकता है जिन पर मुकदमा चल रहा है।

नेपाल की संसद भवन में गिरा ड्रोन, कॉलेज के प्रोफेसर और चार छात्र गिरफ्तार

काठमांडू , एजेंसी। काठमांडू में गुरुवार को एक बड़ा हादसा तब हुआ जब एक ड्रोन उड़ान भरते हुए नेपाल की संसद भवन परिसर में जा गिरा। इस मामले में एक कॉलेज के प्रोफेसर और चार छात्रों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। काठमांडू मेट्रोपॉलिटन पुलिस के प्रवक्ता अपिल बोहरा ने जानकारी दी कि यह ड्रोन मंगलवार को संसद भवन की छत पर मिला, जो एक नो-फ्लाई ज़ोन है। इसी कॉलेज के एक शिक्षक और चार छात्र इसे टेस्ट फ्लाइट के तौर पर उड़ा रहे थे।

ट्रंप के 35 फीसदी टैरिफ के एलान पर प्रधानमंत्री कार्नी का पलटवार

कहा- अपने व्यवसायों की रक्षा करते रहेंगे

कनाडा, एजेंसी।
कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा से आने वाले सामानों पर 35 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अपने व्यापार और व्यवसायों की मजबूती से रक्षा करती रहेगी।

प्रधानमंत्री कार्नी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कनाडा ने उत्तर अमेरिका में फेंटानिल की समस्या को रोकने की दिशा में अहम प्रगति की है और वह अमेरिका के साथ मिलकर दोनों देशों के लोगों की जान बचाने और समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक्स पर लिखा कि अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ताओं के दौरान कनाडाई सरकार ने अपने श्रमिकों और व्यवसायों के हितों की दृढ़ता से रक्षा करती रहेगी। हम 1 अगस्त की संशोधित समयसीमा तक इस दिशा में अपने प्रयास जारी रखेंगे। कनाडा ने उत्तर अमेरिका में फैले फेंटेनाइल जैसे घातक नशे के संकट को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हम अमेरिका के साथ मिलकर जीवन बचाने और दोनों देशों के समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, हम एक सशक्त कनाडा का निर्माण कर रहे हैं। केंद्र सरकार, प्रांतों और क्षेत्रों के साथ मिलकर एक एकीकृत कनाडाई अर्थव्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है। हम राष्ट्रीय हित में कई बड़े नए प्रोजेक्ट्स शुरू करने के लिए तैयार हैं। साथ ही, हम दुनियाभर में अपने व्यापारिक साझेदारियों को भी लगातार मजबूत कर रहे हैं।

इससे पहले गुरुवार (10 जुलाई) को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को एक पत्र लिखकर नई टैरिफ दरों की जानकारी दी थी। ट्रंप ने घोषणा की है कि 1 अगस्त से कनाडा से होने वाले सभी आयातों पर 35 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। उन्होंने इसे कनाडा की ओर से फेंटेनाइल ड्रग की सप्लाई कम करने में नाकामी का नतीजा बताया है। ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नाम लिखे पत्र में कहा कि अगर कनाडा जवाबी कार्रवाई करता है, तो टैरिफ में और वृद्धि हो सकती है। पत्र को उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी साझा किया है। हालांकि, बातचीत की गुंजाइश रखते हुए उन्होंने कहा कि अगर कनाडा फेंटानिल की तस्करी रोकने में मदद करता है, तो शायद हम इस पत्र में बदलाव पर विचार कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों के रिश्तों के आधार पर टैरिफ को बढ़ाया या घटाया जा सकता है। राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ऐसे साक्ष्यों के बावजूद आई है जो दर्शाते हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका में तस्करी की जाने वाली फेंटानिल की अधिकांश मात्रा कनाडा के साथ उत्तरी सीमा से नहीं, बल्कि मैक्सिको के साथ दक्षिणी सीमा से प्रवेश करती है। ट्रंप ने हाल के दिनों में ट्रेड युद्ध का दायरा बढ़ाते हुए कई देशों पर नए टैरिफ लगाए हैं। कनाडा के अलावा, ट्रंप ने हाल ही में जापान और दक्षिण कोरिया पर भी नए टैरिफ लगाए हैं।

पीएम नेतन्याहू अमेरिका दौरे के अंत में बोले - हम 60 दिन की संघर्षविराम योजना पर कर रहे काम

येरूशलम, एजेंसी।
इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस समय अमेरिका दौरे पर हैं और गुरुवार को उन्होंने दो इस्राइली दूतावास कर्मचारियों की याद में आयोजित समारोह में हिस्सा लिया। उनका यह दौरा 4 दिनों का था, जिसमें उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, व्हाइट हाउस अधिकारियों और सांसदों से मुलाकात की। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य था गाजा में 21 महीने से जारी युद्ध को रोकने के लिए संघर्षविराम का कोई रास्ता निकालना। अमेरिका चाहता है कि इज़रायल और हमास के बीच 60 दिन का युद्धविराम हो, जिससे स्थायी शांति की राह खुल सके।

नेतन्याहू ने गुरुवार को एक वीडियो जारी कर कहा कि वे इस अमेरिका-समर्थित समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने साफ कहा कि यह एक अस्थायी समझौता होगा और इसका मकसद होगा गाज़ा में बचे हुए अंतिम 50 बंधकों को रिहा कराना। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संघर्षविराम तभी हो सकता है जब हमास अपने हथियार डाल दे और उसकी शासन व सैन्य ताकत खत्म हो जाए। नेतन्याहू ने कहा, ये हमारे बुनियादी शर्तें हैं।

ठांय-ठांय की गूंज से दहला कनाडा! जानिए मशहूर कॉमेडियन के रेस्टोरेंट पर अटैक करने वाला कौन है खूंखार बदमाश, जिस पर है लाखों का इनाम

बीजिंग, एजेंसी। भारत के मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा स्थित कैफे कैप्स कैफे पर हुई फायरिंग की खबर ने सभी को चौंका दिया है। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हमलावर कार से पिस्टल निकालकर ताबड़तोड़ फायरिंग करता दिख रहा है। इस सनसनीखेज मामले में हरजीत सिंह उर्फ लाडी नाम के एक खालिस्तानी आतंकी का नाम सामने आया है जो पंजाब के नवांशहर जिले के गांव गरपधाना का रहने वाला है। लाडी के पिता का नाम कुलदीप सिंह है। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के मुताबिक, लाडी खालिस्तान समर्थक मॉड्यूल का एक सक्रिय सदस्य है और बब्बर खालसा इंटरनेशनल जैसे आतंकी संगठनों के विदेशी आकाओं से जुड़ा हुआ है। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने हरजीत सिंह उर्फ लाडी को फरार आतंकवादी घोषित कर रखा है और उस पर 10 लाख रुपये का इनाम है। लाडी का नाम भारत में विश्व हिंदू परिषद नेता विकास बग्गा की हत्या से भी जुड़ा है। जून 2024 में इस केस की जांच नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी को सौंपी गई थी, जिसमें हरजीत लाडी, कुलबीर सिंह उर्फ सिद्धू और कई अन्य लोग इसके साजिशकर्ता निकले थे। हरजीत लाडी न केवल खुद सक्रिय है, बल्कि वह विदेश में बैठे आतंकी फाइनेंसरों और हैंडलरों के संपर्क में भी है। बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े गुर्गों के साथ उसकी बातचीत और फंडिंग को लेकर अब तक कई डिजिटल सबूत जुटाए जा चुके हैं। यह हैरान करने वाली बात है कि पंजाब पुलिस की ओर से अभी तक हरजीत सिंह लाडी के खिलाफ कोई औपचारिक एफआईआर या चार्जशीट सार्वजनिक नहीं की गई है। हालांकि, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की जांच में उसे मोस्ट वांटेड करार दिया गया है। इससे पता चलता है कि लाडी के खिलाफ सबूत हैं।

मौत के बाद 3 हफ्तों तक फ्लेट में सड़ती रही एक्ट्रेस की लाश, पिता ने भी डेड बॉडी लेने से किया इंकार

इस्लामाबाद , एजेंसी।
पाकिस्तानी अभिनेत्री-मॉडल हुमैरा असगर अली के परिवार ने उनका शव लेने और उसे दफनाने से इनकार कर दिया है। हुमैरा का शव उनकी मौत के लगभग दो महीने बाद कराची की डिफेंस हाउसिंग सोसाइटी के एक फ्लैट से संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ था। हुमैरा 32 साल की थीं।

कराची पुलिस इस बात का पता लगाने की कोशिशों में जुटी है कि अभिनेत्री की मौत आत्महत्या, हादसे या किसी साजिश के तहत हुई। पिछले हफ्ते फ्लैट खाली करने के अदालती आदेश पर अमल करते समय पुलिस टीम को उसमें हुमैरा का विक्षत शव मिला था। पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी), दक्षिण जोन असद रजा ने बताया कि हुमैरा के परिजनों ने अभिनेत्री के शव को लेने या उसे दफनाने से साफ इनकार कर दिया है।

रजा के मुताबिक, परिजनों का दावा किया है कि उन्होंने पिछले दो वर्षों में हुमैरा से अपने सारे रिश्ते तोड़ दिए थे। रजा ने कहा कि यह मामला असामान्य चुनौतियां पेश करता है, क्योंकि शव के बारे में इतने लंबे समय तक पता नहीं चल सका और न तो पड़ोसियों ने अभिनेत्री की खैर-खबर लेने की

कोशिश की और न ही किसी को कोई संदेह हुआ। चिप्पा कल्याण ट्रस्ट के प्रवक्ता मुहम्मद औरंगजेब ने कहा, आमतौर पर जब किसी व्यक्ति की मौत होती है, तो कुछ दिनों के बाद शव से दुर्गंध आने लगती है, लेकिन इस मामले में एक महीने से अधिक समय के बाद भी किसी को कोई अजीब गंध नहीं महसूस हुई। उन्होंने कहा, जब पुलिस ने हमें शव ले जाने के लिए बुलाया, तो वह क्षत-विक्षत हालत में था और उसकी दुर्गंध असहनीय थी, इसलिए हमने उसे अन्य शवों से अलग अपने शवगृह के शीतगृह कक्ष में रख दिया। डीआईजी रजा ने कहा कि मौत के कारण की पुष्टि के लिए रासायनिक शव परीक्षण किया जा रहा है। हाल के हफ्तों में यह दूसरा मामला है, जब किसी अभिनेत्री को उसकी मौत के कई दिनों बाद उसके आवास में मृत अवस्था में पाया गया है। अभिनेत्री आयशा खान भी कराची के गुलशन-ए-इकबाल स्थित अपने अपार्टमेंट में ऐसी ही स्थिति में मृत पाई गई।

अमेरिकी विदेश विभाग में छंटनी की तैयारी, जल्द जारी होंगे कर्मचारियों को नोटिस

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका का विदेश विभाग भी छंटनी की तैयारी कर रहा है। विदेश विभाग ने अपने कर्मचारियों को कहा है कि वे जल्द ही छंटनी के लिए नोटिस जारी करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से ही वे संघीय सरकार के आकार को कम करने में जुटे हैं। इसके तहत कई सरकारी विभागों से छंटनी की गई हैं। सरकारी दक्षता विभाग के नेतृत्व में संघीय सरकार में छंटनी अभियान चलाया गया और सैंकड़ों लोगों को अब तक नौकरी से निकाला जा चुका है।

अमेरिका में संघीय सरकार में छंटनी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी गई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी छंटनी जारी रखने के पक्ष में फैसला दिया था। अमेरिकी विदेश विभाग के उप-सचिव माइकल रिग्स ने कहा कि जिन कर्मचारियों की छंटनी की जाएगी, उन्हें जल्द ही इसकी सूचना दे दी जाएगी।

अभी तक ये साफ नहीं है कि विदेश विभाग से कितने लोगों को नौकरी से हटाया जाएगा। विदेश विभाग ने मई में कांग्रेस को छंटनी और पुनर्गठन की जानकारी दे दी थी। विदेश विभाग ने ये भी कहा कि जो कार्यक्रम पूर्व की सरकार द्वारा चलाए जा रहे थे, उनमें कटौती की जाएगी। सरकार के इस कदम के आलोचकों का कहना है कि प्रस्तावित कटौती से वैश्विक स्तर पर अमेरिकी प्रभाव कम होगा और कई विभागों के लिए अपने मिशनों को पूरा करना मुश्किल हो जाएगा। अमेरिकी विदेश विभाग अफगानिस्तान में अमेरिका की दो दशक की भागीदारी की निगरानी करने वाले कुछ विभागों को समाप्त करने की योजना बना रहा है, इसमें अमेरिकी सेना के साथ काम करने वाले अफगान नागरिकों के पुनर्वास पर काम करने वाला एक कार्यालय भी शामिल है। साथ ही शरणार्थियों और आव्रजन से जुड़े कार्यक्रमों के साथ-साथ मानवाधिकारों और लोकतंत्र को बढ़ावा देने वाले कई कार्यक्रमों को भी समाप्त करने की योजना है।

अमेरिकी विदेश सेवा संघ, जो राजनयिकों का प्रतिनिधित्व करता है, ने पिछले महीने विदेश विभाग से नौकरियों में कटौती नहीं करने का आग्रह किया था। संघ के अध्यक्ष टॉम याज्दगेरदी ने कहा कि इससे न सिर्फ कर्मचारियों की छंटनी होगी, बल्कि कई पद भी पूरी तरह समाप्त हो जाएंगे। इस कदम से विदेश सेवा को बाधित करने से राष्ट्रीय हित खतरे में पड़ सकते हैं और दुनिया भर के अमेरिकियों को इसके परिणाम भुगतने होंगे।

अमेरिका ने दुनिया भर में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए एक विशेष ट्रैवल एडवाइजरी जारी की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने दुनिया भर में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए एक विशेष ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है जिसमें उन्हें मध्य पूर्व के देश ईरान न जाने की सख्त सलाह दी गई है। अमेरिका के विदेश विभाग ने साफ कहा है कि ईरान की यात्रा करना बेहद जोखिम भरा साबित हो सकता है। लोगों से अपील की गई है कि वे किसी भी ट्रिप को प्लान करने से पहले यह एडवाइजरी ज़रूर पढ़ लें।

अमेरिका के विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने मीडिया को इस एडवाइजरी के बारे में बताया और विशेष रूप से ईरानी मूल के अमेरिकी नागरिकों से ईरान न जाने का आग्रह किया। विदेश विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ईरान की सरकार को दोहरी नागरिकता रखने वाले लोग बिल्कुल पसंद नहीं हैं। इसलिए अमेरिका की नागरिकता रखने वाले ईरानी मूल के लोग अगर ईरान न जाएं तो बेहतर होगा वरना वे परेशानी में फंस सकते हैं। ईरान की पुलिस उन्हें हिरासत में ले सकती है और ऐसे में अमेरिकी दूतावास या अधिकारी उनकी बचाव करने की सुविधा का इस्तेमाल भी नहीं कर पाएंगे।

यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब ईरान और इजरायल में सीजफायर हो चुका है लेकिन ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार चल रहा है। ईरान लगातार अमेरिका और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धमकियां दे रहा है। ऐसे में अमेरिका के नागरिक ईरान में सुरक्षित नहीं माने जा रहे हैं। ईरान की यात्रा न करने संबंधी और अन्य देशों की ट्रैवल एडवाइजरी से जुड़ी विस्तृत जानकारी के लिए अमेरिका ने एक नई वेबसाइट state.gov लॉन्च की है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बस पर हमला: 9 लोगों की मौत, पहचान करने के बाद गोली मारी

क्वेटा, एजेंसी।
पाकिस्तान में फिर बड़ा अटैक हुआ है, जिसमें हमलावरों ने 9 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। फिलहाल, स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है। खबर है कि हमलावरों ने एक बस को रोका और यात्रियों को उतारकर गोली मार दी थी। बलूचिस्तान के अधिकारी इसे आतंकवादी घटना बता रहे हैं। इस साल मार्च में ही जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हाईजैक कर लिया था।

जियो टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, बलूचिस्तान के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि कम से कम 9 लोगों की हत्या कर दी गई है। उन्होंने बताया कि क्वेटा से लाहौर जाने वाली बस में सवार यात्रियों को उतारकर अगवा किया और गोली मार दी। घटना उत्तरी बलूचिस्तान के पास झोब शहर की है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावरों ने बस को रोका, यात्रियों को उतारा और चुनकर पहचान कर 9 लोगों की हत्या कर दी। झोब पुलिस उपायुक्त नावेद आलम ने कहा कि यात्रियों को वाहनों से अगवा करने के बाद उन्हें गोली मारी गई थी। उन्होंने कहा कि शवों को बलूचिस्तान के बारखान जिले के रेखनी अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने घटना की निंदा की और उसे आतंकवादी कृत्य करार दिया है। उन्होंने कहा, आतंकवादियों ने यात्रियों को बस से उतारा, पहचान की और बेरहमी से 9 मासूम पाकिस्तानियों की हत्या कर दी। रिपोर्ट के अनुसार, एक अधिकारी ने कहा कि हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। फिलहाल, उनकी तलाश जारी है।

मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने इसे खुला आतंकवाद बताया और तार फित्ना ए हिन्दुस्तान से जोड़े। बुगती का कहना है कि हमलावरों ने जानबूझकर पाकिस्तानी पहचान के कारण मासूम नागरिकों को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा है कि आतंकवादियों ने एक बार फिर अपना डरपोक रवैया दिखाया है।

साथ ही कहा है कि मासूमों का खून व्यर्थ नहीं होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह देश के खिलाफ युद्ध है और हमारा जवाब मजबूत और निर्णायक होगा।

इस बीच चरमपंथियों ने क्वेटा, लोरालाई और मस्तुंग में तीन आतंकवादी हमले भी किए लेकिन बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने दावा किया कि सुरक्षा बलों ने इन हमलों को नाकाम कर दिया। बलूचिस्तान मीडिया में अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि चरमपंथियों ने रात के दौरान प्रांत में कई जगहों पर हमले किए और सुरक्षा चौकियों, सरकारी प्रतिष्ठानों, थानों, बैंकों और संचार टावरों को निशाना बनाया।

सरकार भारत समर्थित हमला बता रही

बलूचिस्तान की प्रांतीय सरकार इसे भारत समर्थित हमला बता रही है। सरकार ने इस हमले के पीछे फितना अल-हिंदुस्तान का हाथ होने की बात कही है। पाकिस्तान सरकार ने मई में बलूचिस्तान के सभी विद्रोही संगठनों को फितना-अल-हिंदुस्तान का नाम दिया है। इनमें बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी सबसे बड़ा और प्रमुख संगठन है।

सरकारी प्रवक्ता शाहिद रिंद ने कहा -यह सिर्फ एक हमला नहीं, निर्दोष पाकिस्तानियों की क्रूर हत्या है। यह फितना अल-हिंदुस्तान की बर्बर सोच का नतीजा है। रिंद ने बताया कि मास्तुंग, कालात और सरदगाई में भी फितना अल-हिंदुस्तान से जुड़े आतंकियों ने हमले किए, लेकिन वहां सुरक्षा बलों ने स्थिति को संभाल लिया। झोब में हमला अंधेरे का फायदा उठाकर किया गया, जिससे हमलावर बच निकले।

इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी की रिपोर्ट बताती है कि मई 2025 में देश में कुल 85 आतंकी हमले हुए। इनमें बलूचिस्तान सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। इस साल जनवरी में भी बलूचिस्तान के तुरबत शहर में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों ने एक बस में बम ब्लास्ट कर दिया था। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा 25 घायल हुए थे। हमले के बाद बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के एक प्रवक्ता ने वीडियो जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली।

पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने भाला फेंक में जीता स्वर्ण पदक, प्रीति पाल भी शीर्ष पर रहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतिल ने 72.25 मीटर की दूरी तक भाला फेंक कर शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके राज्य के मंजीत ने 54.56 मीटर के शानदार प्रयास के साथ रजत पदक जीता, जबकि एसएससीबी (सेना खेल संवर्धन बोर्ड) के प्रदीप कुमार ने 45.17 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने शुक्रवार को सातवीं इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया और पुरुषों की भाला फेंक (एफ12 एवं एफ64) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा कायम रखा। यह चैंपियनशिप काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस टूर्नामेंट के प्रदर्शन से इस साल के आखिर में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित नई दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारतीय दल का चयन निर्भर करेगा।हरियाणा के अंतिल ने 72.25 मीटर की दूरी तक भाला फेंक कर शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके राज्य के मंजीत ने 54.56 मीटर के शानदार प्रयास के साथ रजत पदक जीता, जबकि एसएससीबी (सेना खेल संवर्धन बोर्ड) के प्रदीप कुमार ने 45.17 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। हरियाणा का स्वर्णिम प्रदर्शन एफ40 एवं एफ41 भाला फेंक वर्ग में भी जारी रहा। पेरिस पैरालंपिक चैंपियन नवदीप सिंह ने 42.63 मीटर भाला फेंककर शीर्ष स्थान हासिल किया। प्रिंस ने 31.90 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक जीता और दिल्ली के रितेन्द्र ने 30.85 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

गिरने के कारण दौड़ पूरी नहीं कर पाए अविनाश साबले

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अनुभवी स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले गिरने के कारण मोनाको डायमंड लीग में दौड़ पूरी नहीं कर पाए। हालांकि, तेजी से उभरते धावक अनिमेष कुजूर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रगति जारी रखते हुए अंडर-23 की 200 मीटर स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के एक आदिवासी गांव में जन्में कुजूर ने भारतीय पुरुष स्प्रिंटिंग में नई उम्मीद जगाई है। अब कुजूर की नजर सितंबर 2025 में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए 20.16 सेकंड के कठिन क्वालिफाइंग मार्क पर है। अनिमेष कुजूर ने 100 मीटर स्पर्धा में 10 सेकंड की बाधा को तोड़ने का संकल्प लिया है। ओलंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अविनाश साबले को अपनी पसंदीदा 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में शीर्ष 5 में जगह बनाने की उम्मीद थी, लेकिन शुक्रवार 11 जुलाई की रात वह दौड़ की शुरुआत में ही ही गिर गए। इसके बाद वह असहज महसूस करने लगे। मौजूदा एशियाई चैंपियन अविनाश साबले लंगड़ाते हुए ट्रैक से बाहर चले गए और उनकी चोट की गंभीरता अब तक ज्ञात नहीं है। यह 30 वर्षीय खिलाड़ी सितंबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुका है, लेकिन इस वर्ष वह अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। वह पिछले दो डायमंड लीग मुकाबलों में 13वें और आठवें स्थान पर रहे हैं।

टेलर फ्रिट्ज को हराकर फाइनल में पहुंचे कार्लोस अल्काराज

लंदन, एजेंसी। कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज को चार सेटों तक चले रोमांचक मुकाबले में 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। स्पेन के कार्लोस अल्काराज को पांचवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फ्रिट्ज ने कड़ी टक्कर दी। लेकिन, अंत में अल्काराज ने मैच अपने नाम कर लिया। हार के साथ ही फ्रिट्ज का विंबलडन फाइनल खेलने का सपना टूट गया। 2009 में एंडी रोडिक आखिरी अमेरिकी खिलाड़ी थे, जो इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे थे। दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराया। यह उनकी लगातार 24वीं जीत है।

पहला सेट अल्काराज ने जीता, और दूसरा सेट फ्रिट्ज ने जीतकर बराबरी की कोशिश की। लेकिन, तीसरा सेट जीतकर अल्काराज ने फिर से बढ़त बना ली। चौथा सेट सबसे रोमांचक साबित हुआ, जिसका समापन टाई-ब्रेक में हुआ, जहां फ्रिट्ज ने 6/4 की बढ़त बना ली। दो सेट पॉइंट के बाद निर्णायक सेट हुआ। लेकिन, अल्काराज ने अपने दृढ़ निश्चय और प्रतिभा से दोनों सेट पॉइंट बचा लिए। अल्काराज ने लगातार चार अंक हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया।

विंबलडन 2025 में पुरुष सिंगल्स का फाइनल रविवार को होगा। अल्काराज का फाइनल में टॉप सीड यानिक सिनर और 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच में से किसी एक से सामना होगा। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल खेला जाना है।

अल्काराज एक बेहद खास क्लब में शामिल होने से सिर्फ एक मैच दूर हैं। अगर वह रविवार को फाइनल जीत जाते हैं, तो वह इतिहास के सिर्फ पांचवें ऐसे व्यक्ति होंगे, जो लगातार तीन विंबलडन खिताब अपने नाम करेंगे। वहीं, अगर अल्काराज जीतते हैं, तो यह उनका छठा ग्रैंड स्लैम खिताब होगा।

संन्यास की अटकलों पर आया जोकोविच का बयान, बोले- यह मेरा आखिरी विंबलडन...

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने संन्यास की अटकलों को खारिज करते हुए साफ कहा है कि वह एक बार और विंबलडन में खेलते नजर आएंगे। उन्होंने कहा कि उनका इरादा कम से कम एक बार और इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में खेलने का है। बता दें कि, शुक्रवार को विंबलडन के सेमीफाइनल में यानिक सिनर ने जोकोविच को मात देकर फाइनल में प्रवेश किया। अब सिनर का सामना अल्कारेज से होगा।

सेंटर कोर्ट पर विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सिनर से 6-3, 6-3, 6-4 से मिली हार ने जोकोविच के विंबलडन में रोजर फेडरर के आठ चैंपियनशिप के पुरुष रिकॉर्ड की बराबरी करने और 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के प्रयास पर पानी फेर दिया। जोकोविच ने कहा, मैं आज अपना विंबलडन करियर खत्म करने की योजना नहीं बना रहा हूं। मैं निश्चित रूप से कम से कम एक बार और वापसी की योजना बना रहा हूं।

चोट पर भी की बात

जोकोविच क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान आखिरी सेट में चोटिल हो गए थे और सेमीफाइनल में वह अपने पूरे रंग में नहीं दिखे। जोकोविच ने कहा, मैं अपनी चोट के बारे में विस्तार से बात नहीं करना चाहता। मैं सिर्फ अपने प्रदर्शन को लेकर बात करना चाहता हूं। मुझे इस बात की निराशा जरूर है कि मैं उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया जितना मैंने सोचा था या उम्मीद की थी। जोकोविच ने इस साल अभी तक तीनों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई लेकिन उससे आगे नहीं बढ़ पाए। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वह चोट के कारण पहले सेट के बाद बाहर हो गए थे जबकि फ्रेंच ओपन और विंबलडन में सिनर ने उन्हें फाइनल में नहीं पहुंचने दिया।

मैं थक गया हूं...

बुमराह ने अचानक ऐसा क्यों बोल दिया?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट की पहली पारी में शानदार गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड के 5 बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया. इसके साथ ही उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया.उन्होंने लॉर्ड्स के मैदान में शानदार गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड के बल्लेबाजी लाइनअप को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया. हालांकि जसप्रीत बुमराह को विकेट लेने के बाद ज्यादा सेलिब्रेट करते हुए नहीं देखा गया. इसका खुलासा बुमराह ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद किया. उन्होंने कहा कि वो थक गए हैं. अब सवाल ये उठता है कि आखिरी बुमराह ने ऐसा क्यों कहा?

जसप्रीत बुमराह ने तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मैंने इसलिए सेलिब्रेट नहीं किया क्योंकि मैं थक गया था. मैं 21 या 22 साल का नहीं हूं कि पूरे ग्राउंड पर उछलता रहूंगा. मैं सिर्फ अपने मार्क में वापस जाना चाहता था और फिर से गेंदबाजी करना चाहता था. लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में भारतीय तेज गेंदबाज ने अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को आउट किया. यही नहीं उन्होंने हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, क्रिस वोक्स और जोफ्रा आर्चर को भी वापस पवेलियन की राह दिखाई.

जिंदगी का कोई भरोसा नही...

जोटा की मौत से टूटे रोनाल्डो के फैन मोहम्मद सिराज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि लिवरपूल के फुटबॉलर डिओगो जोटा की कार दुर्घटना में मौत की खबर सुनकर वह काफी भावुक हो गए। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन जैमी स्मिथ का विकेट लेने के बाद उनकी प्रतिक्रिया पुर्तगाली फारवर्ड के प्रति श्रद्धांजलि थी।स्मिथ को आउट करने के बाद सिराज ने अपनी उंगलियों से '20' (लिवरपूल में जोटा की जर्सी नंबर जिसे अब रिटायर कर दिया गया है) का अंक बनाया और फिर इस फुटबॉलर के सम्मान में दोनों हाथ आसमान की ओर उठाए, जिनकी तीन जुलाई को स्पेन के जमोरा क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी।

भारत-इंग्लैंड सीरीज में ड्यूक्स बॉल पर क्यों हो रहा विवाद!

लंदन, एजेंसी। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा है. फिलहाल 10 जुलाई से लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट मैच जारी है. 5 मैचों की सीरीज में ड्यूक बॉल का इस्तेमाल हो रहा है. लेकिन खिलाड़ी इसकी क्वालिटी से खुश नहीं दिख रहे हैं. लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन भारत को दो बार बॉल बदलनी पड़ी. खिलाड़ी बॉल की क्वालिटी से खुश नहीं थे. ड्यूक्स कंपनी की शुरुआत 1760 में ड्यूक्स परिवार ने की थी. अब इस कंपनी के मालिक भारतीय बिजनेसमैन दिलीप जाजोदिया हैं, जिन्होंने इसे 1987 में खरीदा था.

अब इस पूरे मसले पर दिलीप जाजोदिया ने सफाई दी है. उन्होंने खिलाड़ियों से धैर्य रखने को कहा है. खास बात यह है कि यह गेंद मेरठ से यूके आती है, फिर इंग्लैंड में उनका फाइनल टच दिया जाता है. उन्होंने बातचीत में कहा कि उनकी कंपनी, जिसकी शुरुआत 18वीं सदी में हुई थी. यूके के असामान्य रूप से गर्म मौसम और आज के दौर की क्रिकेट की मांगों को ध्यान में रखते हुए बॉल में सुधार करने के लिए तैयार है. जहां बल्लेबाज भारी बल्लों से बॉल पर जोरदार प्रहार कर रहे हैं.

लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन की सुबह के सेशन में ड्यूक्स बॉल दो बार बदली गई. 10 ओवर पुरानी बॉल बदली जाने के बाद भी भारतीय खिलाड़ी काफी नाखुश थे, जिसके चलते कुछ ही मिनटों में दोबारा बॉल बदलनी पड़ी. जाजोदिया ने कहा- दुनिया में सिर्फ तीन मान्यता प्राप्त क्रिकेट बॉल निर्माता हैं (ड्यूक्स, स्त और कूकाबुरा). क्रिकेट बॉल बनाना आसान नहीं है. अगर यह आसान होता, तो दुनिया भर में सैकड़ों निर्माता होते. जाजोदिया ने कहा- इसलिए मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को यह समझना होगा कि हम चुपचाप बैठे नहीं रह सकते, हम अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं, और अगर कोई समस्या है, तो इसका रिव्यू होगा. हम देखेंगे कि समस्या कहां है, चाहे वह चमड़े में कोई खराबी हो या किसी और चीज में, हम इसकी जांच करेंगे. मैं पैर ऊपर करके सिगार पीने नहीं जा रहा हूं.

एशिया कप और जूनियर हॉकी विश्व कप के लिए भारत में पाकिस्तान के आने की संभावना कम

मुंबई,। भारत में एशिया कप हॉकी और जूनियर हॉकी विश्व कप का आयोजन होना है। भारत सरकार की तरफ से पाकिस्तानी टीम को आने को लेकर सकारात्मक रुख रखा गया है। लेकिन पाकिस्तान सरकार इन आयोजनों के लिए अपनी सीनियर और जूनियर टीम को भारत नहीं भेजने का विचार कर रही है। पाकिस्तान को 27 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप में भाग लेना है, जिसके लिए पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने सरकार से मंजूरी मांगी है। पाकिस्तान को इस साल नवंबर-दिसंबर में चेन्नई में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप में भी भाग लेना है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट को बताया, दोनों देशों के बीच मौजूदा राजनीतिक हालात को देखते हुए शहजाद शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान सरकार द्वारा राष्ट्रीय हॉकी टीम को भारत आने की अनुमति देने की कोई संभावना नहीं है। सूत्रों ने कहा कि गठबंधन सरकार के सदस्यों का मानना है कि दोनों पड़ोसियों के बीच सशस्त्र संघर्ष के बाद टीम भेजना सुरक्षित नहीं होगा। दरअसल, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद, दोनों देशों के बीच संघर्ष हुआ था।

सूत्रों ने बताया कि सरकार से स्पष्ट नहीं सुनने के बाद पाकिस्तान हॉकी महासंघ एफआईएच और एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) से मांग करेगा कि वे इन प्रतियोगिताओं को मलेशिया या ओमान जैसे किसी तटस्थ स्थान पर स्थानांतरित करें। पीएचएफ सूत्रों ने कहा, पीएचएफ इन आयोजनों को भारत से बाहर कराने की कोशिश करेगा, लेकिन ऐसा होने की संभावना बहुत कम है, क्योंकि मलेशिया और ओमान के पास इन आयोजनों के लिए बोली लगाने के लिए जरूरी धनराशि नहीं है, जो लगभग एक लाख डॉलर है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने पिछली बार 2023 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत का दौरा किया था, जहां वह छह टीमों में पांचवें स्थान पर रही थी। भारत ने यह प्रतियोगिता जीती थी। इस आयोजन के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई थी।

भारत से हाल ही में आई रिपोर्टों से पता चला है कि अधिकारी पाकिस्तान को हॉकी आयोजनों में भाग लेने की अनुमति देने को तैयार हैं। हॉकी इंडिया ने यह भी कहा था कि उन्हें विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय से अनुमति मिल गई है।

एसएसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू के निर्देशन पर बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही जारी

सायबर सेल बेमेतरा एवं चौकी संबलपुर पुलिस टीम की संयुक्त कार्यवाही

आबकारी एक्ट के एक प्रकरण में दो आरोपियों के कब्जे से 125 पौवा अंग्रेजी शराब जप्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है जिसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, डीएसपी संतोषी ग्रेस के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थो, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार स्थायी वारंटियो, सामाजिक सौहार्द बिगाडने वालों, यातायात नियमो का

उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है।*इसी क्रम में 11 जुलाई 2025 को पुलिस चौकी संबलपुर स्टाफ को जरिये मुखबीर से सूचना मिली कि संबलपुर नांदघाट पहुच मार्ग पक्की सड़क से होकर हेमंत बघेल और राजेश डेहरे नामक व्यक्ति अवैध रूप से धन अर्जित करने के लिए अपने कब्जे में शराब रखकर मोटर सायकल में परिवहन कर रहे है कि सूचना पर पुलिस चौकी संबलपुर एवं सायबर सेल टीम सूचना के अधार पर संबलपुर नांदघाट पहुच मार्ग पक्की सडक पैठु तालाब के पास संबलपुर पहुचकर हेमंत बघेल और राजेश डेहरे को घेराबंदी कर अवैध रूप से शराब रखकर परिवहन करते पकड़ा गया। आरोपी 1. हेमंत बघेल पिता श्याम बघेल उम्र 24 वर्ष, 2. राजेश डेहरे पिता छोटेलाल उम्र 34 वर्ष, निवासी संबलपुर, चौकी संबलपुर, थाना नवागढ जिला बेमेतरा के कब्जे से 125 पौवा अंग्रेजी शराब (22,500द्रव्य) किमती 15,000/- रूपये एवं परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल क्रमांक सीजी 25 एन 4655 कीमती 30,000/- रूपये, कुल जुमला 45,000/- रूपये को धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत जप्त कर अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही किया गया। उक्त कार्यवाही में सायबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक मयंक मिश्रा, पुलिस चौकी प्रभारी संबलपुर सहायक उप निरीक्षक रघुवीर सिंह, प्रधान आरक्षक रविन्द्र तिवारी, आरक्षक, संजय पाटिल, जय किशन साहू, अमित यादव एवं अन्य स्टाफ की सराहनीय भुमिका रही।

सिटी प्रेस क्लब ने दी डिप्टी डायरेक्टर शशिरत्न पाराशर को भावभीनी विदाई

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते रविवार को शहर के एक स्थानीय होटल में सिटी प्रेस क्लब बेमेतरा द्वारा एक गरिमामय एवं भावनात्मक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम डिप्टी डायरेक्टर जनसंपर्क अधिकारी शशिरत्न पाराशर के जनसंपर्क कार्यालय धमतरी स्थानांतरण के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेस क्लब अध्यक्ष दिनेश दुबे ने की। उन्होंने कहा बेमेतरा में श्री पाराशर का योगदान सराहनीय रहा। उनकी कार्यशैली, संवाद की तत्परता और सभी माध्यमों से समन्वय प्रशंसनीय था। धमतरी में भी वे अपने दायित्वों को प्रभावी ढंग से निभाएंगे – हमारी शुभकामनाएं सदैव उनके साथ हैं।इस अवसर पर श्री पाराशर को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। ब्यूरो चीफ हरिभूमि पप्पू रवानी ने कहा आपकी ऊर्जा, सक्रियता और सूचना की तत्परता ने हमें हमेशा प्रभावित किया। प्रेस की हर आवश्यकता पर आपकी त्वरित प्रतिक्रिया उल्लेखनीय रही।÷ ब्यूरो चीफनई दुनिया किशोर तिवारी ने शुभकामनाएं देते हुए कहा आपके नए दायित्वों के लिए मंगलकामनाएँ। आपका आगामी सफर भी सफलता और संतोष से परिपूर्ण हो – यही हमारी शुभेच्छा है।÷ प्रतिनिधि दैनिक भास्कर अनिल त्रिपाठी, नवभारत अरविंद गोस्वामी,रफ़्तार न्यूज़ से अरुण सोनी, मूक पत्रिका से आशीष कंठले, प्रशून शुक्ला, आनंद साहू, महाकोशल अनीश मेनन , अजीत राजपूत, ताम्रध्वज साहू, खिलेश,सहित अनेक पत्रकार साथियों ने श्री पाराशर को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका स्नेहिल व्यवहार और मीडिया के प्रति सहयोग भाव सदैव स्मरणीय रहेगा। श्री पाराशर ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा ङ्क÷बेमेतरा में सभी पत्रकार साथियों से जो आत्मीय सहयोग मिला, वह मेरे लिए स्मरणीय रहेगा। मेरी प्राथमिकता रही कि पत्रकारों को समय पर सटीक सूचना मिले – और आगे भी यह प्रयास रहेगा कि जनसंपर्क और मीडिया का सेतु और सशक्त हो।. कार्यक्रम में प्रेस क्लब के पदाधिकारीगण, वरिष्ठ पत्रकारगण एवं अन्य सदस्य ससम्मान उपस्थित रहे। समारोह सौहार्द्र और आत्मीयता के वातावरण में संपन्न हुआ।

आवास के सपने को साकार करने की मुहिम : फुलगुट्टा के आवास हितग्राहियों से साथ हुई बैठक

बीजापुर/मूक पत्रिका

सीईओ जिला पंचायत बीजापुर के निर्देशानुसार जनपद पंचायत भैरमगढ़ के ग्राम पंचायत फुलगुट्टा में वित्तीय वर्ष 24-25 में स्वीकृत 116 आवास के हितग्राहियों का बैठक रखा गया। सहायक परियोजना अधिकारी मनरेगा मनीष सोनवानी के द्वारा आवास के महत्व को समझाते हुए पक्के आवास का सामाजिक महत्व पर विस्तृत ढंग से प्रकाश डालते हुए तय समय सीमा में आवास निर्माण करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

तत्पश्चात प्रत्येक हितग्राही को एक-एक कर आवास बनाने में आ रही समस्या से अवगत हो कर समस्या का समाधान बताया गया एवं सभी हितग्राहियों को तय समय सीमा में पूर्ण करने हेतु प्रेरित किया गया । ÷मोर गांव मोर पानी÷ महाभियान अंतर्गत जल संरक्षण के उपायों को विस्तार से बताया गया एवं हितग्राहियों, ग्रामीणों को जल बचाने संकल्प लेते हुए प्रत्येक घर में सोखता गढ्ढे का निर्माण करने प्रोत्साहित किया गया।इस अवसर पर पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, आवास योजना ब्लाक, जिला प्रभारी उपस्थित रहे।

गांजा तस्करी पर बस्तर पुलिस की बड़ी कार्यवाही, पति-प ी गिरफ्तार - 11.505 किलोग्राम गांजा जप्त

बस्तर /मूक पत्रिका

जिले की पुलिस द्वारा नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। इसी कड़ी में दिनांक 12 जुलाई 2025 को थाना नगरनार पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी में शामिल एक पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर, ग्राम धनपुंजी फॉरेस्ट नाका, एनएच 63 के पास जबलपुर (मध्यप्रदेश) जा रही बस का इंतजार कर रहे संदिग्ध एक महिला और पुरुष की घेराबंदी कर तलाशी ली गई। जांच के दौरान उनके बैग से 11.505 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत ?1,15,000 है। साथ ही एक मोबाइल फोन जिसकी कीमत लगभग ?8,000 है, वह भी जप्त किया गया। गिरफ्तार आरोपी -1. विजय सिंह ठाकुर, पिता स्व. स्वराज सिंह ठाकुर, उम्र 34 वर्ष, जाति क्षत्रिय, निवासी दमूनाका पंजाब बैंक कॉलोनी, थाना कोतवाली, जिला जबलपुर (म.प्र.) 2. श्रीमती सजना विजय सिंह ठाकुर, पत्नी विजय सिंह ठाकुर, उम्र 19 वर्ष, जाति क्षत्रिय, निवासी दमूनाका पंजाब बैंक कॉलोनी, थाना कोतवाली, जिला जबलपुर (म.प्र.) आरोपियों के विरुद्ध धारा 20(ख), एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्हें न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय जगदलपुर के समक्ष पेश कर जिला जेल जगदलपुर भेजा गया। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग, एवं नगर पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह के नेतृत्व में की गई।इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में निरीक्षक संतोष सिंह के साथ-साथ उनि सतीश यदुराज, सउनि सतीश तिवारी, प्रधान आरक्षक विकास सिंह, आरक्षक रमेश पासवान, धरम कश्यप, मप्रआर पीलेश्वरी साहू, महिला आरक्षक थानेश्वरी कश्यप एवं आरक्षक दशरू नाग की सराहनीय भूमिका रही। बस्तर पुलिस द्वारा उड़ीसा राज्य से होने वाली मादक पदार्थों की तस्करी पर लगातार निगरानी रखते हुए त्वरित कार्रवाई की जा रही है, जिससे नशे के कारोबार पर लगाम लग सके।

नगर के देवांगन परिवार के प्रतिष्ठित नागरिक आत्माराम देवांगन का निधन

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

चांपा देवांगन समाज के प्रतिष्ठित नागरिक, थाना पारा निवासी आत्माराम देवांगन, उम्र 80 वर्ष का स्वर्गवास 13 जुलाई दिन रविवार को हो गया। उनकी अंतिम यात्रा सायंकाल में निवास स्थान, थाना पारा से बेरियर चौक, बाय पास रोड गेमन पुल के पास हसदो नदी के तट पर सार्वजनिक मुक्तिधाम पहुंची और हिंदू रीति रिवाज के अनुसार अंतिम संस्कार किया गया। जहां उनके रिश्तेदार, सामाजिक लोग तथा नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। वे मंगल चंद देवांगन, और पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष हरदेव देवांगन व संतोष देवांगन के पिताजी थे। प्रेस क्लब चांपा ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है।

महिला को अश्लील गाली गलौज कर छेडछाड करने वाला आरोपी जेल दाखिल, थाना बलौदा पुलिस की त्वरित कार्यवाही

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

महिला पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के विरुद्ध त्वरित कार्यवाही करते हुए न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। आरोपी सुदेश कुमार डहरिया उम्र 25 वर्ष ग्राम कोरबी थाना बलौदा जिला जांजगीर-चांपा द्वारा पीड़िता के घर अंदर घुसकर अश्लील गाली गलौच करते हुए महिला को बेइज्जती करने की नियत से छेड़छाड़ किया गया जिसकी सूचना रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध दिनांक 12.07.25 को अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। महिला पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में आरोपी सुदेश डहरिया को उसके सकुनत पर जाकर घेराबंदी कर पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड भेजा गया।

छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ जांजगीर-चांपा द्वारा नवपदस्थ डीईओ सक्ती का किया आत्मीय स्वागत

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ जिला इकाई जांजगीर-चांपा द्वारा नवपदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी सक्ती डॉ. (श्रीमती) कुमुदिनी रविन्द्र द्विवेदी का उनके निवास चांपा में सौजन्य भेंट के साथ आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर उपस्थित बीआरसी बम्हनीडीह हीरेन्द्र बेहार का उनके जन्मदिवस पर गुलदस्ता भेंट कर बधाई दिया गया। स्वागत कार्यक्रम संघ के जिला अध्यक्ष धन्य कुमार पांडेय के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र जायसवाल द्वारा संघ के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों का औपचारिक परिचय प्रस्तुत किया गया।इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. कुमुदिनी वाघ द्विवेदी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ङ्क÷शिक्षा ही समाज की नींव है। जिले की समग्र शैक्षणिक उन्नति के लिए सभी शिक्षक संगठनों के सहयोग से हम मिलकर कार्य करेंगे। प्रत्येक शिक्षक का विद्यालय में नियमित उपस्थिति के साथ कर्तव्यपरायणता ही जिले की पहचान बनेगी। हमारा उद्देश्य है कि सक्ती जिला शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश में शीर्ष स्थान प्राप्त करे।÷ डॉ. द्विवेदी ने छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के सम्मिलित प्रतिनिधियों का स्वागत एवं सौजन्य भेंट के लिए आभार प्रकट किया। अभिनंदन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रांतीय मंत्री भुवनेश्वर देवांगन, जिला सचिव विजय थवाईत,अभिषेक काल्विन, चन्द्रशेखर तिवारी, लक्ष्मीनारायण तिवारी, जय तिवारी, प्रदीप श्रीवास, अभिषेक चन्द्रा सहित छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

कलेक्टर ने की पामेड़ ग्रामीण बैंक शाखा की सराहना,अन्य बैंको के लिए प्रेरणा

सुदूर क्षेत्रों में बैंकिंग सेवा विस्तार पर जोर,जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर संबित मिश्रा ने की। बैठक में विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, अग्रणी जिला प्रबंधक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में वर्ष 2025-26 की वार्षिक साख योजना की समीक्षा की गई तथा केन्द्र एवं राज्य शासन की विभिन्न वित्तीय योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति पर चर्चा की गई। कलेक्टर मिश्रा ने जिले के दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता पर बल देते हुए, सभी बैंकों को इस दिशा में ठोस पहल करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जिले के सुदूर क्षेत्रों में निवासरत प्रत्येक व्यक्ति को सरकार की सभी वित्तीय और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने बैंकों को निर्देशित किया कि वित्तीय समावेशन की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं और शाखा विस्तार एवं मोबाइल बैंकिंग सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करें।

बैठक में एसबीआई, यूनियन बैंक,एचडीएफसी सहित विभिन्न बैंकों द्वारा संचालित शाखाओं एवं उनकी उपलब्धियों की भी समीक्षा की गई। पामेड़ स्थित ग्रामीण बैंक शाखा द्वारा एक माह में 1500 से अधिक नए खाते खोले जाने की सराहना करते हुए कलेक्टर मिश्रा ने शाखा प्रबंधक को प्रोत्साहित किया और इसे अन्य बैंकों के लिए अनुकरणीय बताया।

अग्रणी जिला प्रबंधक ने बताया कि बैठक का उद्देश्य वित्तीय योजनाओं की जमीनी स्थिति की समीक्षा करना, बैंकों एवं प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करना और आगामी कार्ययोजना पर मार्गदर्शन प्राप्त करना था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।